आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, बुधवार 03 दिसंबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 32
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

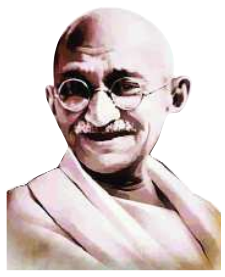

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

धीमी गति से तोड़ी जा रही रेलिंग

पेज-2

सड़क हादसा में ड्राइवर की मौत

पेज-5

टीपीएस योजनाओं के लिए 80 करोड़ के टेंडर जारी होंगे

पेज-6

रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरा रुपया

डॉलर के मुकाबले गिरकर हुआ 90.14 ये

90.14 रुपये

आज बाजार से प्रदेश सरकार उठाएगी तीन हजार करोड़ का नया कर्ज

भोपाल (एजेंसी) • राज्य सरकार रिजर्व बैंक की मुम्बई शाखा के माध्यम से अपनी सिक्युरिटीज का विक्रय कर 3 हजार करोड़ रुपयों का बाजार से नया कर्ज उठायेगी। यह कर्ज तीन हिस्सों में लिया जायेगा जो सभी 1-1 हजार करोड़ रुपये के होंगे और इन्हें क्रमश: 8 वर्ष, 13 वर्ष एवं 23 वर्ष बाद चुकाया जायेगा, परन्तु इस बीच साल में दो बार कूपन रेट पर ब्याज का भुगतान भी किया जायेगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष में राज्य सरकार अब तक कुल 46 हजार 600 करोड़ रुपयों का कर्ज बाजार से ले चुकी है तथा नया 3 हजार करोड़ रुपयों का कर्ज मिलाकर यह कुल राशि 49 हजार 600 करोड़ रुपयों हो जायेगी।

निरीक्षण की व्यवस्था ठप होने से निजी स्कूलों ने उठाया फायदा

शिक्षा विभाग की सुस्ती, गली के स्कूलों ने खेला खेल

आशीष गुप्ता : 9425064357
इंदौर • दैनिक इंदौर संकेत

जिस पते पर स्कूल चलना बताया उस पर बना हुआ घर पर स्कूल में हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी के 600 बच्चे नियमित पड़ना बताया जा रहा है....., जिसके पास 6 कमरे है उसने अपने यहां इन कक्षाओं में 300 बच्चे को नियमित परीक्षार्थी के तौर माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षा के फर्म भरवाए.....जिस स्कूल के पास कक्षा 1 से 8 तक मात्र 50 बच्चे अध्ययनरत हैं वहां हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी में 400 बच्चे नियमित दर्शाए जा रहे है.....ऐसे स्कूल जहां पर कभी बच्चे आते जाते नहीं दिख वहां पर भी 500 बच्चे हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी की पढ़ाई करते हुए बताए जा रहे है।

इस शिक्षा विभाग की सुस्ती कहे या लापरवाही कहे या निजी स्कूलों की दादागिरी कहे या नियमित जांच का कोई सिस्टम नहीं बना जिसका परिणाम रहा है इंदौर जिले के गली कूचों में चल रहे स्कूलों ने ज्यादा राशि लेकर नियमित नहीं आने वाले विद्यार्थियों को भी नियमित बता दिया। साफ जाहिर है कि जिन बच्चों को हाईस्कूल के पाठ्यक्रम का ज्ञान नहीं होगा वे भी इन स्कूलों की मेहरबानी से उत्तीर्ण कहलाए जाएंगे।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के इंदौर में 10वीं और 12वीं पढ़ाने वाले निजी स्कूलों में स्वाध्यायी बच्चों को नियमित मानकर शिक्षण व्यवस्था का मखौल उड़ाने की समस्या सामने आ रही है। नियम स्पष्ट रूप से कहता है कि निजी स्कूल में केवल वही छात्र नियमित माना जाएगा, जिसकी न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित हो। इससे कम उपस्थिति वाले स्वाध्यायी बच्चों को नियमित छात्र नहीं माना जाना चाहिए। इस नियम के बावजूद कुछ निजी स्कूल बच्चों की उपस्थिति की अनदेखी कर उन्हें नियमित बताकर शिक्षा व्यवस्था में ढिलाई दिखा रहे हैं, जो शिक्षा के मानकों के खिलाफ है। इंदौर के निजी स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति को लेकर यह नियम कड़ा है और शैक्षणिक अनुशासन बनाए रखने के लिए इसे सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। उपस्थिति का यह नियम सरकारी निर्देशों और निजी स्कूलों के आचार संहिता में भी स्पष्ट है, जिससे उपस्थिति बिना पूरा किए नियमित छात्र नहीं माना जा सकता। निजी स्कूलों द्वारा स्वाध्यायी बच्चों को नियमित समझना शिक्षा व्यवस्था की स्थिति पर प्रश्न चिन्ह लगाता है।

विदित है कि इससे पूर्व शिक्षा विभाग के अधिकारी निजी स्कूलों में सतत निरीक्षण करते रहते थे, किन्तु गत कुछ वर्षों से जिला शिक्षा अधिकारी और संयुक्त संचालक मान्यता देने के बाद इन स्कूलों की तरफ रुख नहीं करते हैं। यही कारण रहा है कि बोर्ड परीक्षा में स्वाध्यायी बच्चों की संख्या कम होती जा रही है। इसके अनुपात में नियमित बच्चों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसका कारण साफ है कि निजी स्कूल शिक्षा विभाग की निष्क्रियता के चलते अपनी जेब भरने में लगा हुआ है और बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है।

एआई जनरेटेड इमेज

यह नाम तो है झांकी, नाम और भी बाकी

■ सेंट लॉयसिस खजराना	400
■ प्रज्ञा विद्या निकेतन स्वर्णबाग कॉलोनी	470
■ नागेश्वर स्कूल नेहरू नगर	340
■ होली क्रास स्कूल विद्या पैलेस	550
■ इंदौर एकेडेमी सुविधि नगर	590
■ जेम्स ऑक्सफोर्ड आजाद नगर	320
■ विवेकानंद विद्या विहार चंद्रावतीगंज	600
■ सनराइज इंटरनेशनल	280
■ जेनिथ पब्लिक स्कूल खजराना	300
■ एम बी एस एच एस नगीन नगर	400

(सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार उपरोक्त स्कूलों के नाम आगे लिखी गई संख्या कक्षा 10वी और 12वीं के नियमित विद्यार्थियों की है)

मंडल के कर्मचारियों की मिलीभगत की आशंका!

प्रदेश में हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी की परीक्षा का दायित्व माध्यमिक शिक्षा मंडल का रहता है। ऐसे में नियमित बच्चों की उपस्थिति मंडल भी चैक कर सकता है, लेकिन वर्तमान आंचलिक कार्यालय इस मामले में कोई भी कार्यवाही करने के मूड में नजर नहीं आता है। सूत्रों के अनुसार मंडल के कतिपय कर्मचारी भी फर्जी बच्चों के खेल में शामिल है। इनके पास लगभग एक दर्जन से अधिक स्कूलों का कार्टेल बना हुआ है जहां पर फर्जी बच्चों को नियमित दर्शाकर इन बच्चों से तगड़ी फीस ली जाती है। इस कार्टेल में गली-कुचे में चलने वाली कोचिंग क्लास भी शामिल है। खबर तो यह ही भी हर सप्ताह अंत में मंडल कार्यालय में कर्मचारियों, स्कूल संचालक और कोचिंग संचालकों की शाम वाली बैठकों का दौर भी चलता है, जिस पर कोई रोक-टोक नहीं रहती है।

इंदौर का एयरपोर्ट भी निजी हाथों में जाने की तैयारी में!

नई दिल्ली (एजेंसी) • देश में एयरपोर्ट प्राइवेटाइजेशन एक बार फिर जोर पकड़ चुका है और इस बार सरकार जिन 11 एयरपोर्ट्स को निजी कंपनियों के हवाले करने जा रही है, उनमें मध्यप्रदेश का सबसे व्यस्त और तेजी से बढ़ता इंदौर एयरपोर्ट भी शामिल है। सूत्रों के अनुसार पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप अप्रेजल कमेटी इस पूरे पैकेज पर जल्द अंतिम फैसला ले सकती है, जिससे देशभर में हवाई यात्रा के नक्शे पर बड़ा बदलाव आने वाला है।

दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में निजी मॉडल की सफलता के बाद सरकार अब पहली बार बड़ा प्रयोग कर रही है—छोटे और बड़े एयरपोर्ट्स को एक साथ बंडल कर निजी कंपनियों को लंबी अवधि की लीज पर देने का। इसके लिए ट्रांजैक्शन एडवाइज़र की विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंप दी गई है और पूरा लक्ष्य है कि वित्त वर्ष 2026 के अंत तक यह प्रक्रिया पूरी हो जाए। सूत्र बताते हैं कि जिन 11 एयरपोर्ट्स को निजी हाथों में सौंपने का खाका तैयार हो चुका है, उनमें इंदौर, अमृतसर, वाराणसी, भुवनेश्वर, रायपुर, त्रिची, कुशीनगर, गया, औरंगाबाद, हुबली और कांगड़ा शामिल हैं। इनमें इंदौर सबसे चर्चित इसलिए है क्योंकि यह मध्यभारत का सबसे तेज़ी से उभरता हवाई हब बन चुका है और शहर से देश-विदेश की हवाई मांग हर साल रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ रही है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय का मानना है कि भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन बाजार है और हवाई यात्रियों की संख्या 7-10% सालाना की रफ्तार से बढ़ रही है। ऐसे में विस्तार, आधुनिक सुविधाएँ और तेज संचालन के लिए निजी निवेश जरूरी माना जा रहा है। खास तौर पर इंदौर जैसे शहर, जो तेजी से कॉर्पोरेट, मेडिकल और स्टार्टअप हब बने हैं, वहां एयरपोर्ट सुविधाओं को नई ऊंचाई देने के लिए निजी मॉडल फिट बैठता है।

झारखंड में बड़े सियासी उलटफेर के संकेत अमित शाह के संपर्क में हेमंत-कल्पना सोरेन

नई दिल्ली (एजेंसी) • झारखंड की राजनीति में बड़ा उलटफेर होने की संभावना जतायी जा रही है। यह कयास लगाया जा रहा है कि झारखंड में जेएमएम एनडीए गठबंधन में शामिल हो सकता है और बिहार के तर्ज पर झारखंड में भी एनडीए की सरकार बन सकती है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित बीजेपी के कई बड़े नेताओं के संपर्क में हैं।

जिसके बाद से इस तरह के कयास लगाये जा रहे हैं कि झारखंड में महागठबंधन की सरकार अब ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाएगी। लेकिन इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है कि जिससे समझा जाए कि यह बात सही है। दरअसल झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन पिछले कई दिनों से दिल्ली में हैं। इसे लेकर अब यह कयास लगाया जा रहा है कि झारखंड में जेएमएम एनडीए गठबंधन में शामिल हो सकता है और बिहार के तर्ज पर झारखंड में भी एनडीए की सरकार बन सकती है। यह खबरें भी निकलकर सामने आ रही है कि हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने रहेंगे और बाबूलाल मरांडी एवं चंपई सोरेन झारखंड के उपमुख्यमंत्री बन सकते हैं। जैसा कि बिहार में दो डिप्टी सीएम हैं।

स्वच्छता के बाद चूहों में भी नंबर वन बना इंदौर!

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • स्वच्छता में देश का नंबर-1 शहर मध्य प्रदेश का इंदौर इन दिनों चूहों के आतंक से जूझ रहा है। शहर के सबसे बड़े महाराजा यशवंतराव अस्पताल में नवजातों को कुतरने, शास्त्री ब्रिज में गड्ढा करने और रीगल चौराहे पर गांधी प्रतिमा की नींव खोखली करने तक, चूहों का यह प्रकोप अब गंभीर संकट बन चुका है। हाल ही में चूहों के काटने का नया मामला भी सामने आया है।

इंदौर में एंटी रेबीज डोज लगवाने के लिए हुकुमचंद पॉलीक्लिनिक में लोगों की भारी भीड़ लग रही है। इस साल शहर में चूहों के काटने (रेट बाइट) के रिकॉर्ड मामले दर्ज किए गए हैं। अकेले जुलाई में 278 मामले सामने आए, जो सबसे अधिक हैं। पूरे 11 महीनों में 1280 से ज्यादा लोग चूहों के काटने की शिकार हुए हैं। सोशल मीडिया पर लोग इस स्थिति पर मीम्स और व्यंग्यपूर्ण पोस्ट के माध्यम से नगर निगम के दावों पर सवाल उठा रहे हैं। कई लोगों ने तंज कसा है कि इंदौर अब स्वच्छता के साथ-साथ चूहा-बाहुल्यता में भी नंबर-1 बनने की दिशा में बढ़ रहा है। चूहों के काटने से पीड़ित लोगों ने बताया कि शहर में अब चूहों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। पीड़ित लगातार एंटी रेबीज डोज लगवाने अस्पताल जा रहे हैं।

प्रदेश में सर्दी का दौर, इंदौर में पारा 9 डिग्री से नीचे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • हिमालयी क्षेत्र में 5 दिसंबर से नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव होने की संभावना है। मध्यप्रदेश में इसका असर अगले 2 दिन में यानी, 6-7 दिसंबर को देखने को मिल सकता है। बर्फीली हवा आने से इंदौर, ग्वालियर, चंबल, उज्जैन और सागर संभाग में सबसे ज्यादा सर्दी रहेगी। इससे पहले सोमवार-मंगलवार की रात में कई शहरों में तेज ठंड रही। भोपाल और इंदौर में पारा 9 डिग्री से नीचे रहा। वहीं, प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजगढ़ में 8.5 डिग्री, नौगांव में 8.6 डिग्री, कल्याणपुर-शाजापुर में 8.7 डिग्री, उमरिया में 9.3 डिग्री और रीवा में पारा 9.6 डिग्री रहा। इधर, मंगलवार को दिन के तापमान में भी गिरावट का दौर जारी रहा। सुबह के समय ग्वालियर में घना कोहरा रहा। यहां विजिबिलिटी 500 से 1 हजार मीटर दर्ज की गई। भोपाल, दतिया में 1 हजार मीटर तक विजिबिलिटी रही। हिल स्टेशन पचमढ़ी में 22.6 डिग्री, बालाघाट के मलाजखंड में 23 डिग्री, शिवपुरी में 24 डिग्री, बैतूल में 24.2 डिग्री, नरसिंहपुर में 24.4 डिग्री, सिवनी में 24.6 डिग्री, धार में 25.3 डिग्री, रीवा में 25.5 डिग्री, छिंदवाड़ा में 25.8 डिग्री, उमरिया में 25.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

इंदौर विकास प्राधिकरण की संपदा शाखा बनी आम जनता की विपदा

सरकारी फीस के अलावा के ये रेट लिस्ट करनी पड़ती है, फॉलो नहीं तो, नहीं होता काम, चुकाओं या फिर महीनों तक काटो चक्कर, फिर भी नहीं होगा काम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • पिछले कई दिनों से इंदौर विकास प्राधिकरण की संपदा शाखा प्रभारी मनीष श्रीवास्तव, और उनकी बाबुओं की गैंग की पोल खोल रहा हैं कि आखिर किस तरह से यहां आमजनता घनचक्कर बनती रहती हैं। यदि सेवा शुल्क अदा नहीं किया जाए तो हल्फ्ष्ट बेचने और मॉर्गेज, नामांतरण, लीड डीड, लीज नवीनीकरण, और फ्री होल्ड जैसे कार्य होना लगभग नामुमकिन हैं। हालांकि यह आम जनता का हक होता है कि एकल खिड़की, ऑनलाइन से प्राप्त आवेदनों का समय पर नियम कायदों से उनका निराकरण किया जाए। लेकिन कागजों में दौड़ते ऐसे घोड़े बिना घास के एक कदम भी चलने के लिए घास की ही डिमांड करते हैं। लिहाजा न्यूज विथ तड़का डॉट कॉम के पास इंदौर विकास प्राधिकरण की संपदा शाखा से संबंधित होने वाले कामों की एक रेट लिस्ट हाथ लगी। जो कि इंदौर विकास प्राधिकरण से ही तंग एक विश्वनीय सूत्र ने उपलब्ध करवाई हैं। लिहाजा अगर ये रेट लिस्ट कोई फॉलो करता है तो उसका काम होने में दिक्कत नहीं आती हैं। और अगर नहीं तो, तो फिर उसे दिक्कत ही दिक्कतों का सामना करना पड़ता हैं।

दरअसल संपदा शाखा से संबंधित कार्यों की जो दरें तय हैं वह इस प्रकार है। लेकिन ये रेट लिस्ट वो रेत लिस्ट है, जो अनऑफिशियल यानी ऊपरी कमाई की हैं सूत्र बताते है कि संपदा शाखा की अलग अलग स्कीमों के बाबुओं का पूरा पूरा हिस्सा बना हुआ हैं। लिहाजा संपदा शाखा से संबंधित कार्यों की रेट लिस्ट इस प्रकार हैं। हाल ही में इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा किए जाने वाले नामांतरण, हस्तांतरण, जैसे मामलों की जाहिर सूचना अखबारों में प्रकाशित मिलती हैं। एकसाथ पच्चीस नाम, तीस नाम या फिर उससे कम या ज्यादा। लेकिन इसके पीछे की असल सच्चाई तब बयान हो जाएगी। तब इन प्रकरणों के इंदौर विकास प्राधिकरण में आने की तारीख का अवलोकन किया जाए। क्योंकि इनमें से कई प्रकरण साल, दो साल या फिर छह छह महीनों पुराने होते हैं। अब ये सुलझ क्यों जाते है।

न्यूज ब्रीफ

पत्रकार वर्मा का जन्मदिन मनाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • कार्यक्रम की अध्यक्षता इंटक नेता श्याम सुंदर यादव ने की मुख्य अतिथि मधुरम स्वीट ऑनर गोपाल शर्मा एवं मदन लाल बम रहे। कार्यक्रम का संचालन युवा नेता राहुल निहोरे ने किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से विवेक सेठ असलम कुरैशी कैलाश टंडन मुनेंद्र शर्मा पत्रकार हरी मरमट अकबर हर्ष वर्मा, शैलेन्द्र वर्मा महेश वर्मा सुरेश वर्मा शदाशिव यादवआदि बड़ी संख्या में समाज सेवी एवं पत्रकार एकत्र हुए। सभी वरिष्ठ जनों ने हीरालाल वर्मा को पुष्प माला एवं साफा बांधकर मिठाई खिलाकर शुभकामनायें दी।

रोहित बाजपई को मप्र लैक्रोस टीम का नेतृत्व

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • लैक्रोस एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में लैक्रोस एसोसिएशन ऑफ जम्मू-कश्मीर द्वारा माता वैष्णो देवी स्पोर्ट्स स्टेडियम, कटरा में 5 से 7 दिसंबर तक आयोजित होने वाली

द्वितीय फेडरेशन कप लैक्रोस चैंपियनशिप में भाग लेने वाली मप्र पुरूष टीम की घोषणा लैक्रोस एसोसिएशन मप्र अध्यक्ष हरिनारायण यादव व पाथ फाउंडेशन डायरेक्टर साक्षी अग्रवाल ने की । टीम का नेतृत्व रोहित बाजपई करेंगे ।

बीआरटीएस : लगभग डेढ़ माह से काम ठंडा रहा, अब ठेकेदार काम में जुटा

दिन में बस स्टॉप व रात में धीमी गति से तोड़ी जा रही रेलिंग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • बीआरटीएस दिन में बस स्टॉप और रात में धीमी गति से तोड़ी जा रही रेलिंग जबकि हाल ही में हाईकोर्ट ने भी इसे जल्द हटाए जाने के आदेश दिए हैं। 11.47 लम्बे बीआरटीएस को तोड़ने का काम धीमी गति से शुरू हुआ है। लगभग डेढ़ माह से काम ठंडा रहा। अब ठेकेदार काम में जुटा है। 15 दिनों में जीपीओ से शिवाजी वाटिका चौराहे तक रेलिग हटा ली है। रविवार को इस चौराहे पर स्थित बस स्टॉप को हटाया गया। टेंडर शर्त के अनुसार ठेकेदार बीआरटीएस की रेलिग और बस स्टॉप से निकलने वाला लोहा, प्लास्टिक, लाइटिंग सहित अन्य सामान खुद रखेगा। इसमें टिकट स्कैनर मशीन सिटी बस कम्पनी रखेगी। बीआरटीएस पर निर्माण के दौरान कॉरिडोर में बनाए गए बस स्टॉप पर लगभग 80 से 90 बीआरटीएस पर बस स्टॉप को हटाते हुए कर्मचारी। करोड़ रुपए खर्च किए थे। बस स्टॉप यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधा थी। मेट्रो स्टेशन की तर्जपर यहां करोड़ों रुपए से टिकट स्कैनर मशीनें लगाई थीं। स्टॉप ऑटो ओपन डोर लगाए थे, ये सभी सुविधाएं अब बेकार हो गई हैं।

14 करोड़ में बनेगी रेलिंग– कॉरिडोर में एटीएम की सुविधा के लिए छोटा कैबिन भी बनाया गया था, जिसमें 20 साल तक एटीएम संचालित हुए। इसके बाद बैंकिग एजेंसियों ने इन्हें बंद कर दिया। फिलहाल बीआरटीएस के बीच में बने हुए सभी स्टॉप आने वाले दिनों हट जाएंगे और कबाड़ के भाव का सामान बेचा जाएगा। वहीं दूसरी ओर बीआरटीएस की नई रेलिग निर्माण के लिए एजेंसी तय कर दी है, जो 14 करोड़ में पूरे बीआरटीएस पर रेलिंग बनाएगी।

'डॉ. निशा जोशी ने गीता जयंती पर रचा अध्यात्मिक इतिहास

मोक्षदा एकादशी पर लगभग 4000 लोगों ने किया सामूहिक गीता पाठ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मोक्षदा एकादशी-गीता जयंती के पावन दिवस पर, जिस तिथि को भगवान श्रीकृष्ण ने अपने मुखारविंद से अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का दिव्य उपदेश प्रदान किया था, उसी अवसर पर शहर में विविध आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का नेतृत्व डॉ. निशा जोशी द्वारा किया गया तथा विभिन्न संस्थानों में सभी स्थानों पर मिलाकर लगभग 4000 लोगों ने सामूहिक गीता पाठ में सहभागिता की।

इन कार्यक्रमों का आयोजन निशा जोशी योग अकादमी तथा योगगंगा - योगिक साइंटिफिक एंड स्पिरिचुअल रिसर्च फ़ाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। डॉ. निशा जोशी ने कई स्थानों पर पहुँचकर जिनमे- उमियाधाम स्कूल, उमियाधाम कॉलेज, सेंट्रल जेल और राष्ट्र सेविका समिति की विद्या भारती शाखा , निशा जोशी योग अकादमी विद्यार्थियों, युवाओं, नागरिकों एवं बंदी भाइयों-बहनों के बीच गीता के अध्यात्म से जुड़ा विस्तारपूर्वक संवाद , व्याख्यान व गीता का जीवन में महत्व समझाते हुए श्लोक पाठ करवाया । ये कार्यक्रम शहर के विविध स्थानों के साथ साथ ही ऑनलाइन भी ज़ूम प्लेटफार्म के माध्यम से आयोजित किया गया जिसमे सैंकड़ो लोगो को गीता श्लोकों का पाठ करवाया गया। कार्यक्रमों के अंतर्गत सामूहिक गीता श्लोक पाठ , गीता-व्याख्यान तथा 'गीता से जीवन-प्रबंधन' पर प्रेरक संवाद आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने इन सत्रों को अत्यंत आत्मीयता और उत्साह के साथ आत्मसात किया तथा इसे अपने जीवन में मार्गदर्शक बताया। उमियाधाम स्कूल-कॉलेज से लेकर सेंट्रल जेल तक, सभी स्थानों पर गीता पाठ और संवाद को लोगों ने जीवन-परिवर्तनकारी अनुभव बताया। अनेक प्रतिभागियों ने कहा कि मोक्षदा एकादशी-गीता जयंती पर किया गया यह सामूहिक पाठ उनके लिए सदैव स्मरणीय आध्यात्मिक प्रेरणा बनकर रहेगा।

चन्दन नगर क्षेत्र से लाखों का चाइनीज मांझा पकड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • चाइनीज मांझे से हुई युवक की मौत के बाद शहरभर में पुलिस ने चेकिंग अभियान युद्धस्तर पर छेड़ दिया है। कल अलग-अलग चार स्थानों पर हुई कार्रवाई में पुलिस ने चन्दन नगर थाना क्षेत्र से ही लाखों का माल जब्त कर आरोपी पर केस दर्ज किया है।शहर में प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझे का कारोबार करने वाले पतंग विक्रेताओं के यहां कल पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर दबिश दी, जिसमें चन्दन नगर थाना क्षेत्र में ही लाखों का माल बरामद हुआ है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चन्दन नगर थाना क्षेत्र के सिंहासा राम मंदिर के पास से चाइनीज मांझा विक्रय होने की सूचना मिली थी, जिस पर टीम ने तुरंत वहां पर दबिश दी तो प्रतिबंधित धागा बिकता मिला, जिस पर पुलिस ने समीर उर्फ मोनू पिता अकील मेव निवासी मेवाती मोहल्ला को दबोचते हुए तलाशी ली तो आरोपी के पास कुल 12 नग कार्टून में 648 मांझे के गट्टे मिले, जिनका बाजार मूल्य करीब 3 लाख 25 हजार रुपए बताया जा रहा है। इसी प्रकार पुलिस ने आजाद नगर में कार्रवाई करते हुए नगमा खान निवासी गोप कालोनी से करीब 40 चाइनीज मांझे के गट्टे जब्त किए। राजेन्द्र नगर पुलिस ने भी राजरानी नगर में पतंग की दुकान पर दबिश देकर एक नाबालिग के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उससे भी 6 चाइनीज मांझे की घिरनी जब्त की। वहीं परदेशीपुरा पुलिस ने लाल गली में छापामार कार्रवाई करते हुए वहां से हीरालाल पिता हरि गौड़ से करीब 84 गट्टे चाइनीज मांझा जब्त किया। पुलिस के अनुसार उक्त जब्त मांझे की कीमत करीब 42 हजार रुपए है।

अग्रसैन सोशल ग्रुप के वर्ष 2025 26 के पदाधिकारियों का ग्रुप की मीटिंग में स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अग्रसैन सोशल ग्रुप के वर्ष 2025 26 के पदाधिकारियों का ग्रुप की मीटिंग में स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के मार्गदर्शक वरिष्ठ समाजसेवी प्रेमचंद गोयल ने कहा सेवा समर्पण निष्ठा के साथ एवँ यश कीर्ति की चाह के बिना सेवा करना ही सच्ची समाजसेवा है। ग्रुप समन्वयक राजेश गर्ग संचालक शिव जिन्दल ने बताया की ग्रुप द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष कमलेश मित्तल, महामंत्री राजकुमार बंसल, संयोजक राजू बंसल ,कोषाध्यक्ष सतीश गोयल ,डायरेक्टर विनोद गोयल ,सतीश गोयल हरसूद ,डॉक्टर गोविन्द सिंघल, गोपाल गर्ग, निरंजन गुप्ता, मनीष मित्तल, विजय गर्ग ,विनोद बंसल का स्वागत कर सम्मान किया। स्वागत अनूप सिंघल एडवोकेट महेन्द्र सिंघल, मनीष अग्रवाल, हेमन्त अग्रवाल, राजेन्द्र गोयल ने किया। नये पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में सेवा कार्यो के नये आयाम स्थापित करने का वचन दिया। साथ ही सभी ने 21 22 दिसंबर को आयोजित 39 वे अ भा युवा अग्रवाल परिचय सम्मेलन को ऐतिहासिक सफल बनाने का संकल्प लिया।

स्पिरिचुअल जैमिंग और बैटल ऑफ बैण्ड्स ने जीता लोगों का दिल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •ट्रेज़र आइलैंड मॉल ने अपने दो दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न किया, जिसमें आध्यात्मिकता, संगीत और सामुदायिक उत्साह का बेहतरीन संगम देखने को मिला। मॉल में 28 नवंबर एक मन को शांति देने वाला स्पिरिचुअल जैमिंग सेशन आयोजित किया गया। आगंतुकों ने मधुर भजन, शांत मंत्र-उच्चारण और भक्तिमय संगीत का आनंद लिया। इस कार्यक्रम ने लोगों के बीच एक गहरा आध्यात्मिक जुड़ाव बनाया और बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। अगले दिन, 29 नवंबर को मॉल में एक एनर्जेटिक बैटल ऑफ बैण्ड्स आयोजित की, जिसमें लगभग पाँच बैंड्स ने अपनी-अपनी अनोखी संगीत शैलियों का दमदार प्रदर्शन किया। युवाओं की प्रतिभा और जोश से भरे इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों को बेहद उत्साहित किया।

कलेक्टर वर्मा से मिले नए प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर, कार्यालय में देखी जनसुनवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कलेक्टर श्री शिवम वर्मा से आज राज्य प्रशासनिक सेवा के तहत चयनित 24 नए प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों ने कलेक्टर कार्यालय में मुलाकात की। इंदौर में प्रशिक्षण हेतु आए 24 डिप्टी कलेक्टर आज जनसुनवाई में भी उपस्थित रहे। उन्हें शहर की समस्याओं, जन अपेक्षाओं और प्रशासनिक समाधान प्रक्रिया से रूबरू कराया गया, ताकि वे अपने-अपने जिलों में बेहतर जनसुनवाई प्रणाली लागू कर सकें। कलेक्टर श्री वर्मा ने उन्हें प्रशासनिक व्यवस्थाओं और अपने अनुभवों के बारे में बताया। श्री वर्मा ने कहा कि वे अपने-अपने जिलों में जनकल्याण के कार्यों और सुशासन पर विशेष ध्यान दें। मानवीय संवेदनाओं का ध्यान रखते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।

मिश्री जैसे मीठी है मराठी - पैठणकर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपेई शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इंदौर के मराठी विभाग द्वारा पांच दिवसीय मराठी भाषा अध्ययन एवं संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया है । दिनांक 2 दिसंबर 2025 को इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में उद्घाटक के रूप में सुश्री शोभाताई पैठणकर (राष्ट्रीय संयोजक , महिला कार्य, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली) उपस्थित रहे । मुख्य वक्ता के रूप में अश्विन खरे (अध्यक्ष, महाराष्ट्र साहित्य सभा) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ममता चंद्रशेखर द्वारा की गई। सुश्री शोभा ताई पैठणकर जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मराठी एक समृद्ध और संपन्न भाषा है। वह तो मिश्री जैसी मीठी है। संत ज्ञानेश्वर की ज्ञानेश्वरी और पसादान में मानवीय कल्याण का मूल्य कैसे समाहित है इस पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अश्विन खरे द्वारा 'मराठी बोलूया, मराठी वाढवूया' इस विषय के अंतर्गत हमें मराठी भाषा सीखने के लिए कैसे प्रयास करना चाहिए इस पर अपने विचार रखें।

टीना खत्री की बुक 'एलिमेंट्स ऑफ लव' का विमोचन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • क्रिएट स्टोरीज एनजीओ द्वारा उर्जस्विनी विशेष विद्यालय में लेखिका टीना खत्री की नई पुस्तक 'एलिमेंट्स ऑफ लव' का विमोचन किया गया। टीना खत्री ने अपनी पुस्तक के बारे में कहा- प्रेम, वह अनमोल खजाना है जहां यह पुस्तक उस गहरे सत्य को टटोलती है कि सदियों के बदलाव के बावजूद, हमारे देश से एक चीज़ कभी नहीं लूटी जा सकी - वह है प्रेम । यह प्रेम संविदा या अनुबंधों से बँधा नहीं है, बल्कि यह हमारी अंतरात्मा की खुशी से उपजा है। पुस्तक इस बात पर प्रकाश डालती है कि खुश रहना और प्रेम करना जितना सरल लगता है, उतना आसान नहीं है। टीना खत्री कहती हैं, 'हमारे भीतर की दुनिया बाहर की दुनिया का आईना है। हमारा शरीर, जो पाँच तत्वों से बना है, इस ब्रह्मांड का ही प्रतिरूप है।'

क्वींस कॉलेज में वार्षिकोत्सव 'उत्कर्ष' में प्रतिभा और संस्कृति का शानदार प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • क्वींस कॉलेज के प्रांगण में विद्यालय का 29वाँ वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय अतिथि शिराली जैन, विद्यालय के निदेशक रमेश मूलचंदानी, एकेडमिक डायरेक्टर श्रीमती स्मिता राठौर एवं प्राचार्या श्रीमती गीता सोमशेखरन के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर सीबीएसई बोर्ड की प्राविण्य सूची में स्थान पाने वाली छात्राओं (धरा कुकरेजा-टॉपर (कक्षा बारहवी 2025) व गीत भालेराव सेकेंड सिटी टॉपर (कक्षा दसवीं 2025) तथा

विद्यालयीन परीक्षाओं में स्थान पाने वाली, विविध साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

अ.भा. संत सम्मेलन 4 दिस. से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • बिजासन रोड स्थित प्राचीन अविनाशी आश्रम अखंड धाम पर 58 वें अ.भा. अखंड वेदांत संत सम्मेलन का आयोजन 4 से 10 दिसंबर तक होगा। सम्मेलन में जगद्गुरु शंकराचार्य सहित देश के जाने-माने 50 से अधिक संत, विद्वान, महामंडलेश्वर एवं तपस्वी संत आएंगे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, बुधवार 03 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

गीता भवन मंदिर में भजन गायक मेहता ने मनमोहक भजनों की दी प्रस्तुतियां

इंदौर ●गीता भवन स्थित श्री गीता भवन मंदिर में गीता जयंती के अवसर पर भव्य भजन संध्या आयोजित की गई जिसमें भजन गायक विवेक मेहता ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुतियां दीं। भजनों पर श्रद्धालु खूब झूमे। भजन संध्या में बड़ी संख्या में भक्त सम्मिलित हुए। दीप प्रज्वलन करके भजन संध्या की शुरुआत की। मंदिर में ठाकुर जी का झूला सजाया। भजन संध्या की शुरुआत भजन गायक विवेक मेहता ने गोपाल राधाकृष्ण गोविंद गोविंद...के भजन के साथ की, फिर राधे कृष्ण के मधुर भजनों की प्रस्तुति दी, उसके बाद भजन गायक मेहता ने आ जाओ मेरे श्याम सलोने आ जाओ मेरे मीत पिया, मैं बांके की बांकी बन गई, मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है,राधे झूलन पधारो..., मेनू सांवरा सलोना पसंद आ गया..., फूलों में सज रहे हैं श्री वृंदावन बिहारी... जैसे मनमोहक भजनों की प्रस्तुतियां दी।

संतों का संकट दूर करने के लिए महामंडलेश्वर लक्ष्मणदास हमेशा रहते थे तत्पर

इंदौर ● पंचकुइया स्थित श्री राम मंदिर आश्रम के पूर्व पीठाधीश्वर साकेतवासी महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री लक्ष्मणदास महाराज का तृतीय पुण्यस्मरण महोत्सव आयोजित किया, हजारों साधु संत जुटे,माल्यार्पण किया। मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीमहंत महामंडलेश्वर रामगोपालदास महाराज ने बताया कि महाराज श्री के तृतीय पुण्य स्मरण के अवसर पर हजारों साधु संत सम्मिलित हुए जिसमे भंडारे का आयोजन हुआ,पंचकुइया आश्रम में लघु कुंभ जैसा नजारा दिखा, जिसमे इंदौर विरक्त साधु मंडल के महामंडलेश्वर श्री रामबालकदास रामायणी महाराज,श्री रेवा विरक्त मंडल इंदौर के महामंडलेश्वर श्री रामकृपालदास महाराज, महामंडलेश्वर राधे राधे बाबा, महामंडलेश्वर रामचरणदास महाराज, संत श्री फौजी बाबा, महंत श्री मंगल दास महाराज, महंत रामदास महाराज,मंहत पवनदास महाराज, जानकीवल्लभ दास महाराज, सहित प्रदेश व इंदौर के प्रमुख मंडलों के महामंडलेश्वर सहित हजारों संत महंतो ने सम्मिलित होकर साकेतवासी महामंडलेश्वर श्री लक्ष्मण दास जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण किया और उनका स्मरण किया।

कांग्रेस नेता का फोटो लगाकर मांगे पैसे, परिचितों से की डिमांड, एक्सीडेंट में घायल का फोटो भी भेजा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के एक कांग्रेस नेता का फोटो एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगाकर लोगों से पैसों की डिमांड करने का मामला सामने आया है। इस मामले की जानकारी कांग्रेस नेता को भी तब पता चली जब उनके पहचानने वालों ने उन्हें कॉल लगाना शुरू किए। इसके बाद कांग्रेस नेता ने अपनी सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी और लोगों से उनके नाम पर पैसा नहीं देने की गुजारिश की। ये है इंदौर यूथ कांग्रेस शहर अध्यक्ष अमित पटेल, जिनके साथ ये वाकया हुआ। उन्होंने बताया कि इंस्टाग्राम पर किसी ने उनके फोटो का इस्तेमाल किया है। किसी ने सतीश चौधरी के नाम की प्रोफाइल बनाई है और उस प्रोफाइल पर मेरा फोटो लगा दिया है और उन्हीं के परिचित लोगों से पैसों की डिमांड की जा रही है। मंगलवार को जब उनके परिचितों के कॉल आने लगे तो वह भी आश्चर्य में पड़ गए। उन्हें लोगों ने कॉल करके पूछा कि पैसों की जरूरत क्यों पड़ गई तो पहले तो वह भी समझ नहीं पाए, जिसके बाद उन्हें इस बारे में जानकारी लगी। उन्होंने इसके स्क्रीनशॉट भी लोगों से बुलवाए, जिसके बाद मामले की थाने में शिकायत करने की बात कही है।

स्टेटस लगाकर लोगों को चेताया

मामला सामने आने के बाद अमित पटेल को अपने वॉट्सऐप पर स्टेटस लगाना पड़ गया। जिसमें उन्होंने लिखा कि उनके फोटो का गलत इस्तेमाल कर सोशल मीडिया पर पैसे मांगने की जानकारी सामने आई है। मैं सभी को सचेत करता हूं कि मेरे नाम, मेरी फोटो या किसी भी तरह के मैसेज के माध्यम से अगर आपसे पैसों की मांग की जाती है तो कृपया किसी भी परिस्थिति में पैसे ना भेंजे। ऐसे किसी भी नंबर, प्रोफाइल या लिंक को तुरंत ब्लॉक करें, रिपोर्ट करें और अपने परिचितों को भी जागरूक करें। यह पूरी तरह से फर्जी और धोखाधड़ी का प्रयास है।

स्ट्रेचर पर लेटे व्यक्ति का फोटो भी भेजा

अमित पटेल ने बताया कि उनके फोटो लगाकर जिस व्यक्ति ने अलग-अलग लोगों से पैसों की डिमांड की है। उसमें से एक व्यक्ति ने युवक ने दोस्त के एक्सीडेंट का बहाना बनाया। उसने स्ट्रेचर पर लेटे एक व्यक्ति का फोटो भी भेजा और उससे 8 हजार रुपए की डिमांड की।

एमवाय अस्पताल में सुरक्षा का तमाशा ! ठेकेदारों की मनमानी पर प्रशासन मौन क्यों ?

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एमवाय अस्पताल और एमजीएम मेडिकल कॉलेज में सुरक्षा एजेंसी को लेकर हुई अराजकता प्रशासनिक अव्यवस्था और मिलीभगत का गंभीर संकेत देती है। कॉलेज प्रबंधन द्वारा स्पष्ट रूप से मना किए जाने के बावजूद बीवीजी कंपनी का स्टाफ अस्पताल पहुँचकर ड्यूटी शुरू करता है—यह सीधा सवाल उठाता है कि क्या इंदौर में अब बिना अनुमति भी ठेकेदार अपनी मर्जी से अस्पतालों में घुस सकते हैं?

कांग्रेस सेवादल पूछना चाहता है

- क्या प्रशासन ठेकेदारों के आगे झुक चुका है?
- क्या मरीजों की सुरक्षा से खिलवाड़ कर किसी को फायदा पहुँचाया जा रहा है?
- एमवाय अस्पताल कोई निजी संपत्ति नहीं, बल्कि जनता की आस्था और जीवन की रक्षा का केंद्र है। यहाँ मनमानी, नियमों की अवहेलना और सुरक्षा व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं।

कांग्रेस सेवादल की माँगें

- पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जाँच।
- बिना अनुमति पहुँची एजेंसी पर कड़ी कार्रवाई।
- भविष्य में किसी भी नई एजेंसी की नियुक्ति पूर्ण पारदर्शिता से और कॉलेज प्रबंधन की सहमति के साथ।

समाधान योजना ने दिलाई चार करोड़ की रियायत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य शासन की महत्वपूर्ण समाधान योजना 2025-26 के प्रभावी क्रियान्वयन उपरांत पश्चिम मप्र में मंगलवार शाम तक एक लाख 26 हजार से ज्यादा उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं, इन उपभोक्ताओं को करीब चार करोड़ रूपए से ज्यादा की रियायत दी गई है। विद्युत वितरण कंपनी को करीब 39 करोड़ रूपए का राजस्व मिला है। अधिकारिक जानकारी के अनुसार एक मुश्त बकाया राशि जमा करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या करीब 78 हजार रही, इनकी पात्रतानुसार शत प्रतिशत सरचार्ज माफ किया गया, इन उपभोक्ताओं से बकाया बिजली बिल की मूल राशि ही जमा कराई गई। वहीं किश्तों में राशि जमा करने का विकल्प चयन करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 48 हजार से अधिक दर्ज की गई। कंपनी प्रबंधन ने बताया कि समाधान योजना में तीन माह के बिजली बकायादार शामिल होकर लाभ उठा सकते हैं, पात्रतानुसार एक मुश्त बकाया बिल जमा करने पर पूरा सरचार्ज माफ होगा, किश्तों में बकाया राशि जमा करने पर सरचार्ज 90 प्रतिशत तक माफ कराया जा सकेगा।

सोये हुए समाज को एक बार फिर जागृत करने के लिए जरुरी है श्रीराम शौर्य कथा जैसे आयोजन - पं. शांतनु

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्रीराम कथा तो हम सबने सैकड़ों बार सुनी है लेकिन आज के दौर में भक्ति के साथ शौर्य का समन्वय भी जरुरी है। एक हजार वर्ष की परतंत्रता के बाद अब राजनीति के साथ धर्मनीति भी अपनाना होगी। हमारे गौरवशाली अतीत और वैभव को फिर से जीवंत बनाने के लिए राम कथा और प्रभु श्रीराम के शौर्य का इतिहास हमारी नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए इस तरह के अनुष्ठान अब वक्त की मांग बन गए हैं। हनुमानजी का संकल्प था कि जब तक पृथ्वी पर राम कथा होती रहेगी, मैं यहाँ बना रहूँगा। यदि राम कथा नहीं हुई तो हनुमानजी पृथ्वी पर से चले जाएँगे। हनुमानजी के चले जाने से बल, बुद्धि और विद्या हमें कौन प्रदान करेगा। हमारी भक्ति स्वार्थी और वैक्तिक हो जाने के कारण ही हमें इतने वर्षों तक गुलाम रहना पड़ा। इतिहास का कटु सत्य सुनना पड़ेगा। समाज को एक बार फिर सुषुप्तावस्था से जागृत बनाने के लिए श्रीराम शौर्य कथा जैसे दिव्य आयोजन होते रहना चाहिए।

अयोध्या से आए विश्व विख्यात मानस मर्मज्ञ आचार्य शांतनु महाराज ने दशहरा मैदान स्थित रामायण वाटिका पर छवि सोशल वेलफेयर सोसायटी एवं श्री अग्रवाल समाज इंदौर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित श्रीराम शौर्य कथा के शुभारंभ सत्र में उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए। कथा शुभारंभ के पूर्व आयोजन समिति की ओर से गोपाल गोयल, किशोर गोयल, रामप्रकाश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिकों और धार्मिक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने जय जय सियाराम के उद्घोष के बीच व्यास पीठ का पूजन किया। इसके पूर्व सुबह रणजीत हनुमान मंदिर से भव्य सरयू कलश यात्रा निकाली गई जिसमें 2 हजार से अधिक मातृशक्ति भजन एवं गरबा मंडलियाँ, बैंड -बाजे, ढोल-ढमाके, शहनाई की मंगल ध्वनि के बीच शामिल हुई। एक बड़े रथ पर 10*10 आकर के कुंभ में सरयू जल का कलश भी सुशोभित था। महामंडलेश्वर दादू महाराज, हरिधाम के अधिष्ठाता महंत शुकदेव दास महाराज, संत कबीर दास सहित अनेक संत, महंत और विद्वान इस कलश यात्रा में सुसज्जित बग्घियों पर विराजित होकर धर्मप्रेमी नागरिकों का अभिनंदन कर रहे थे। कलश यात्रा में के के गोयल, आशीष सोनी, सचिन पलसीकर, संतोष साहू, मनीष सेंगर, महेश शर्मा एवं अंकित मित्तल पूरे समय यातायात व्यवस्था संभाले रहे।

जर्मनी के दल ने देखा फीडर सेपरेशन कार्य

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● केएफडब्ल्यू बैंक जर्मनी की सुश्री जोर्डिस फ्लोदर, राहुल ठाकुर ने पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के तहत तीन दिनी दौरे के दूसरे दिवस धार जिले के मनावर क्षेत्र का भ्रमण किया। इंदौर से मनावर पहुंची का जोरदार स्वागत सत्कार किया गया। जोर्डिस फ्लोदर ने मनावर में केएफडबल्यू फंड से फीडर सेपरेशन के कार्यों को मौके पर जाकर देखा। मनावर बिजली संभाग जारीबाद के समीप करोदिया फीडर के सेपरेशन (विभक्तिकरण) कार्य का उन्होंने विस्तार से मौका मुआयना किया। सुश्री जोर्डिस फ्लोदर व राहुल ठाकुर ने मुख्य अभियंता कार्य श्री एसएल करवाड़िया, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एससी वर्मा, धार अधीक्षण यंत्री आशीष आचार्य आदि से जानकारी ली। इस दौरान उन्हें बताया गया कि फीडर सेपरेशन से ग्रामीण क्षेत्र में आपूर्ति सुधार होगा, लॉस घटेगा, कृषि क्षेत्र को शासकीय नियम, व्यवस्था के अनुसार निर्धारित बिजली गुणवत्ता के साथ वितरित की जा सकेगी। उक्त करोंदिया फीडर का सेपरेशन कार्य होने से वर्तमान में एक ही फीडर पर मौजूद 9 ट्रांसफार्मरों से बिजली वितरण आगे जाकर 6 ट्रांसफार्मरों से किसानों को सिंचाई के लिए एवं शेष 3 ट्रांसफार्मरों से ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को चौबीस घंटे आपूर्ति सुलभ होगी। घरेलू उपभोक्ताओं को वोल्टेज और अच्छा मिलेगा।

गंगा धाम में चल रहे श्री नवकुंडात्मक श्री नर्मदा महायज्ञ की साधु संतो के सानिध्य में हुई पूर्णाहुति

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देवगुराडिया पहाड़ी स्थित श्री श्री 1008 नरसिंह पुरी डेरा गंगा धाम में चल रहे नवकुंडात्मक श्री विष्णु महायज्ञ की पूर्णाहुति मंगलवार को साधु संतो के सानिध्य में वेद मंत्रों के बीच की गई, इसमें देश भर के साधु संतों का जमावड़ा लगा, विशाल भंडारे का भी आयोजन हुआ। यह आयोजन ब्रह्मलीन श्री श्री 1008 नरसिंह पुरी महाराज की कृपा से हुआ। इस महायज्ञ 5 लाख 21 हजार आहुतियां समर्पित की गई। नवकुंडात्मक श्री विष्णु महायज्ञ गंगा धाम के महंत श्री विभूति पुरी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित किया । महायज्ञ में शुक्रवार को सुबह सभी मंडलों का पूजन, चतुषर्ष्टी, षोडश मात्रिका, वास्तु पुरुष, क्षेत्रपाल मंडल, प्रधान मंडल, भद्र मंडल देवता, नवग्रह देवताओं सहित पूरे यज्ञ मंडप का पूजन अर्चन वेद मंत्रों के बीच किया गया। 11 आचार्यों विद्वानों पंडितों की उपस्थिति में वेद मंत्रों के बीच यजमानों द्वारा मंत्रो से हवन कुंड में आहुतियां दी गई। स्वाहा से पूरा गंगा धाम गूंज उठा। उसके बाद महामंडलेश्वर कपिलपूरी महाराज,स्वामी कमलपुरी महाराज,मंहत विभूतिपुरी महाराज सहित अनेक साधु संतो के सानिध्य में हवन की पूर्णाहुति वेद मंत्रों के बीच पूर्णाहुति की गई, महायज्ञ के समापन अवसर पर देशभर के साधु संत भी सम्मिलित हुए जिसमे हरियाणा, जूनागढ़, बाड़मेर राजस्थान ऋषिकेश दिल्ली गुजरात सहित अन्य जगहों से जूना अखाड़ा के 100 से ज्यादा महामंडलेश्वर संत पदाधिकारियों का आगमन हुआ।यह यज्ञ देश की सुख शांति, जनकल्याण की कामना को लेकर को लेकर आयोजित किया गया। महायज्ञ में 9 दिनों में 5 लाख 21 हजार आहुतियां दी गई।

श्रेष्ठ संस्कार ही समृद्ध समाज और संस्कारित राष्ट्र की आधारशिला होती है- गणिवर्य डॉ सागर म. सा.

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में पहली बार नवकार परिवार द्वारा संचालित मेघ संस्कार वाटिका के तत्वावधान में शहर की 21 जैन पाठशालाओं का संयुक्त वार्षिक समारोह अभय प्रशाल स्थित लाभ मंडपम सभागृह में गणिवर्य डॉ. अजीत चंद्र सागर म.सा. के सानिध्य, मुंबई के समाजसेवी बाबूलाल चुन्नीलाल जैन एवं श्रीपाल भाई तथा रेसकोर्स रोड के समाजसेवी विपिन नीरु सोनी, जंबूभाई विस्मय जी धींग (डग, राज.) के आतिथ्य में आयोजित किया गया। गणिवर्य डॉ. अजीत चंद्र सागर म.सा. ने इस मौके पर कहा कि बच्चों को उपहार या खिलौने नहीं देंगे तो वे घंटे-दो घंटे रोएंगे लेकिन यदि श्रेष्ठ संस्कार नहीं दिए तो वे और उनका परिवार भी जीवनभर रोएगा। श्रेष्ठ संस्कार ही समृद्ध समाज और संस्कारित राष्ट्र की आधारशिला होती है। मेघ संस्कार वाटिका के संचालक जयंत खाब्या, शुभम पटवा एवं प्रणय चौरड़िया ने बताया कि उत्सव में डॉ. प्रकाश बांगानी, कीर्तिभाई - डॉ. प्रतिभा डोसी, विपिन-प्रियंका कोचर, श्रीमती तेजूबाला व्होरा, केशूभाई शाह, संजय मेहता, आनंदीलाल लोधा, राजाबाबू एवं अशोक कुमार केशर चंद जैन जैसे समर्पित समाजसेवी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत

विनित मेहता, शरद शाह, नीलेश कोचर, अंश पारिख, संयम जैन एवं संयम मेहता ने किया। उल्लेखनीय है कि मेघ संस्कार वाटिका की स्थापना प.पू. मेघचंद सागर म.सा. की पुण्यस्मृति में प.पू. आनंदचंद सागर म.सा. द्वारा की गई है। वाटिका द्वारा अब तक 6 संस्कार सेमिनार आयोजित किए गए हैं। प्रारंभ में 500 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई इनमें से 350 बच्चों को एटीएम कार्ड अटेंडेंस एवं टैलेंट मैनर्स कार्ड दिए गए जिनमें उन्हें माता-पिता का सम्मान करने, मोबाइल का कम से कम उपयोग करने, संस्कारी दोस्त बनाने, कहीं भी जूठन नहीं छोड़ने और भविष्य में परिवार का श्रेष्ठ नायक बनने तथा राष्ट्र की सेवा करने जैसे प्रेरक सन्देश दिए गए।

द्वारकापुरी स्थित शीतलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर पर आज से शुरू होगा 4 दिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव, बड़ी दीक्षा भी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● द्वारकापुरी स्थित शीतलनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर पर 3 से 6 दिसम्बर तक चार दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शंखेश्वर पार्श्वनाथ, नाकोड़ा भैरव देव, भौमियाजी एवं मालवा विभूषण आचार्य वीररत्न सूरीश्वर म.सा. की दिव्य प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां पूरी हो गई हैं। प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही इस बार द्वारकापुरी श्रीसंघ एवं मंदिर ट्रस्ट को नूतन मुनिराज कलश पुण्यविजय म.सा. की बड़ी दीक्षा का भी सौभाग्य मिल रहा है। इस दिव्य अनुष्ठान में प.पू. आचार्य श्रीमद विजय पद्मभूषणरत्न सूरीश्वर, आचार्य श्रीमद विजय जिन सुंदर सूरीश्वर, आचार्य श्रीमद विजय धर्मबोधि सूरीश्वर म.सा. सहित 50 से अधिक साधु-साध्वी-भगवंतों का पावन सानिध्य भी मिलेगा।

गीता पुरुषार्थ का ग्रंथ, पलायन का नहीं - दीदी माँ मानस मंदाकिनी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● गीता के संदेश हमें मार्गदर्शन करते हैं कि समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पालन हम कब, क्यों और कैसे करें... गीता के संदेश हमें कर्मयोगी बनाने की ओर प्रवृत्त करते हैं। गीता उस अनमोल खजाने की तरह है, जिसमें जीवन को सदगुणों से अलंकृत करने के अनेक अलमोल रत्न भरे पड़े हैं। कर्तव्य के बोध और जीवन को सकारात्मक ढंग से जीने का संदेश गीता के श्लोकों में मौजूद हैं। गीता पुरुषार्थ की पक्षधर है, पलायन की नहीं। सृष्टि में सब कुछ परमात्मा की कृपा से ही संभव है। जीव, जगत और जगदीश्वर- तीनों ही रूपों में भगवान का अस्तित्व मौजूद है। गीता हमारे नकारात्मक विचारों को दूर कर सकारात्मकता की ओर ले जाती है। विदेशों में तो गीता पर अनुसन्धान हो रहे हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ओबामा तो 24 घंटे गीता और हनुमान चालीसा साथ रखते हैं। अयोध्या से आई दीदी माँ मानस मंदाकिनी ने मंगलवार को गीता भवन में चल रहे 68वें अ.भा. गीता जयंती महोत्सव की धर्मसभा में उक्त दिव्य एवं प्रेरक विचार व्यक्त किए। अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के आचार्य जगद्गुरु स्वामी रामदयाल महाराज की अध्यक्षता में इस अवसर पर जोधपुर से आए रामस्नेही संत हरिराम शास्त्री, वाराणसी से आए पं. रामेश्वर त्रिपाठी रामायणी, भदोही (उप्र) के पं. पीयूष महाराज, पानीपत की साध्वी ब्रह्मज्योति सरस्वती, वृंदावन के बालशुक पं. पुंडरिक कृष्ण, उज्जैन के वेदान्ताचार्य स्वामी वीतरागानंद, वेदांत आश्रम इंदौर के स्वामी आत्मानंद सरस्वती, सुश्री आहुति शुक्ला (छोटी दीदी, अयोध्या), अयोध्या से ही पधारी प्रख्यात मानस मर्मज्ञ मंदाकिनी दीदी माँ के प्रवचनों की अमृतवर्षा के बाद जगद्गुरु स्वामी रामदयाल महाराज ने अध्यक्षीय आशीर्वचन दिए और सबके मंगल की कामना की।

सम्पादकीय

सुरक्षा के नाम पर 'संचार साथी' की जबरन एंट्री... क्या नई डिजिटल जासूसी की शुरुआत?

विपक्षी दलों की ओर से यह आशंका जताई गई है कि सरकार इसके जरिए व्यक्ति की निजता के अधिकार को खत्म कर उसकी हर गतिविधि की जासूसी करना चाहती है या उसकी निगरानी करना चाहती है। इसमें कोई दोराय नहीं कि तेजी से डिजिटल होती दुनिया में साइबर फर्जीवाड़ा तथा इससे जुड़े अन्य अपराधों ने एक जटिल शक्ल अख्तियार कर ली है और उससे निपटने के लिए ठोस उपाय जरूरी हैं। मगर सवाल है कि अपराध या जोखिम से बचाव के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले किसी औजार को क्या एक नए तरह की असुरक्षा का वाहक बनने की इजाजत दी जा सकती है! केंद्रीय संचार मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी एक आदेश के तहत यह कहा गया था कि सभी स्मार्टफोन कंपनियां नब्बे दिनों के भीतर अपने स्मार्टफोन में सरकार द्वारा तैयार किए गए साइबर सुरक्षा एप 'संचार साथी' को पहले से ही इस तरह इंस्टाल करें कि उसे डिलीट और प्रतिबंधित या अक्षम नहीं किया जा सके। सरकार के मुताबिक, यह एप मोबाइल उपयोगकर्ताओं को धोखाधड़ी वाले फोन और संदेशों की रपट लिखवाने के साथ-साथ चोरी हुए मोबाइल की जानकारी देने में मदद करता है। प्रथम दृष्टया सरकार की यह पहल तेजी से फैल रहे डिजिटल फर्जीवाड़े और इससे जुड़ी अन्य गड़बड़ियों से बचाना दिखता है, मगर किसी भी स्मार्टफोन की बाकी सुविधाओं तक इस एप की पहुंच और इसके काम करने के तरीके के संबंध में जैसे तथ्य सामने आए हैं, उसे लेकर स्वाभाविक ही इसका तीखा विरोध शुरू हो गया है। यों संचार साथी एप पहले से ही इंटरनेट पर 'सर्च इंजन' पर मौजूद है, लेकिन अब तक इसे उपयोगकर्ता स्वैच्छिक तौर पर ही अपने स्मार्टफोन में डाउनलोड करते रहे हैं। ताजा आदेश में जिस तरह इसकी अनिवार्यता को लागू करने की बात कही गई, उसके बाद सरकार के इस फैसले पर सवाल उठे हैं। विपक्षी दलों की ओर से यह आशंका जताई गई है कि सरकार इसके जरिए व्यक्ति की निजता के अधिकार को खत्म कर उसकी हर गतिविधि की जासूसी करना चाहती है या उसकी निगरानी करना चाहती है। किसी स्मार्टफोन में इंस्टाल होने के बाद संदेशों से लेकर अन्य जरूरी सुविधाओं तक पहुंच होने की वजह से संचार साथी के बेजा इस्तेमाल को लेकर भी अनेक आशंकाएं सामने आने लगी हैं। अगर वे सही उतरीं, तो इसकी क्या गारंटी है कि इस एप के जरिए न केवल लोगों की निजता के अधिकार को ताक पर रखा जाएगा, बल्कि उनके फोन में छेड़छाड़ भी की जाएगी!

क्या सोशल मीडिया के लिए सेंसर बोर्ड? सोशल मीडिया के लिए भी एससी-एसटी की तरह कानून लागू करने का सुझाव सराहनीय

सोशल मीडिया आज दुनियाँ के लोकतंत्र की सबसे प्रभावशाली, और कई बार सबसे खतरनाक, ताकत के रूप में उभरा है।सूचना के त्वरित प्रसार ने जहां संवाद को नई ऊर्जा दी है, वहीं गलत सूचना, घृणास्पद भाषण, मानहानि साम्प्रदायिक तनाव और संस्थानों के प्रति अविश्वास जैसी समस्याएँ भी अत्यंत तीव्रता से बढ़ी हैं। भारत जैसे व्यापक जनसंख्या वाले लोकतांत्रिक देश में यह चुनौती और अधिक जटिल हो जाती है, क्योंकि विविधता, राजनीतिक सक्रियता और इंटरनेट की तीव्र पहुंच मिलकर सूचना के प्रसार को बेकाबू बना देते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि ऐसे समय में भारत के सुप्रीम कोर्ट द्वारा सोशल मीडिया कंटेंट को नियंत्रित करने के लिए सरकार को दिए गए नए दिशा- निर्देश न केवल कानूनी बल्कि सामाजिक औरप्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाते हैं।अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया पर निरंतर बढ़ रहे हानिकारक कंटेंट को केवल पोस्ट-फैक्टो यानी घटना होने के बाद हटाने की प्रक्रिया से नियंत्रित नहीं किया जा सकता।यह एक ऐतिहासिक टिप्पणी है, क्योंकि अब तक दुनिया के अधिकांश देशों ने सोशल मीडिया को मुख्य रूप से इसी पोस्ट- रेगुलेशन मॉडल पर चलाया है, जबकि भारत पहली बार प्रि-स्क्रीनिंग मॉडल पर विचार कर रहा है।केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैल रहे अश्लील और हानिकारक कंटेंट को रोकने के लिए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय एक नया नियामक ढांचा तैयार कर रहा है। सरकार ने कोर्ट से चार सप्ताह का और समय मांगा है ताकि इन नए दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देकर लोगों, विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से सुझाव लिए जा सकें। साथियों बात अगर हम इस केस को समझने की करें तो, मीडिया में जानकारी आई कि एक केस में सुप्रीम कोर्ट के अनुसारसोशल मीडिया पर वायरल होने वाला कंटेंट आधुनिक समय का सबसे कठिन सुरक्षा और सामाजिक व्यवस्था से जुड़ा संकट है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जानकारी कुछ ही सेकंड में लाखों लोगों तक पहुँच जाती है। यह गति कई बार इतने बड़े स्तर पर हानि पहुँचाती है कि सरकार और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के पास हस्तक्षेप करने का समय ही नहीं बचता। अदालत ने कहा कि अगर किसी कंटेंट को हटाने से पहले ही वह समाज में तनाव, नफरत या हिंसा का कारण बन जाए,तो ऐसीस्थिति में पोस्ट- फैक्टो कार्रवाई का कोई वास्तविक प्रभाव नहीं रह जाता। ऐसे में केवल सुधारात्मक उपाय नहीं, बल्कि सुरक्षा-आधारित निवारक उपाय की आवश्यकता होती है।इसी संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को सोशल मीडिया कंटेंट के अपलोड होने से पहले प्रि-स्क्रीनिंग मैकेनिज्म का मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया। यह निर्देश केवल प्रशासनिक नहीं,बल्कि डिजिटल युग में नागरिक अधिकारों अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और तकनीकी नैतिकता के बीच एक नए संतुलन की खोज का संकेत भी है। साथियों बात अगर हम अदालत का यह दृष्टिकोण विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है इसको समझने की करें तो यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को एक समाचार एजेंसी,प्रसारण संस्थान और जनसंचार माध्यम केमिश्रित स्वरूप के रूप में देखता है। पारंपरिक मीडिया पर प्रि- सेंसरशिप या प्रि-अप्रूवल जैसी व्यवस्थाएँ पहले से मौजूद हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर यह लागू नहीं रही,क्योंकि इसे व्यक्तिगत अभिव्यक्ति का मंच माना जाता रहा है। किंतु वर्तमान समय में व्यक्तिगत अभिव्यक्तियाँ गण-शक्ति का रूप ले चुकी हैं और उनका प्रभाव कई देशों में चुनाव परिणामों,जनदंगों, दंगों, बैंकिंग संकटों,स्वास्थ्य संबंधी अफवाहों और आतंकवादी गतिविधियों तक में देखा गया है।सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि जब सोशल मीडिया कंटेंट समाज की संवेदनशीलता, सुरक्षा और व्यवस्था को सीधे प्रभावित कर रहा है, तब उसके लिए नए प्रकार की नियामक संरचना आवश्यक है। यही कारण है कि कोर्ट ने सरकार को हथियार थमाते हुए,जैसा कि मीडिया ने इसे वर्णित किया,एक कठोर लेकिन जरूरी ढांचे की कल्पना करने को कहा।इसी क्रम में सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया रेगुलेशन के लिए कोई सेल्फ- स्टाइल्ड या स्वयंभू संस्था पर्याप्त नहीं है। अभी तक कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अपने स्वयं के कम्युनिटी गाइडलाइंस और फैक्ट-चेकिंग मैकेनिज्म के आधार पर कंटेंट मॉडरेशन करते रहे हैं। परंतु अदालत के अनुसार ये संस्थाएँ न तो पारदर्शी हैं, न निष्पक्ष, और न ही बाहरी प्रभावों से मुक्त। इनका संचालन निजी कंपनियों द्वारा किया जाता है, जिनके अपने हित, बाजार रणनीतियाँ और राजनीतिक दबाव हो सकते हैं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत को एक ऐसी न्यूट्रल,स्वतन्त्र,और संविधान -आधारित रेगुलेटरी बॉडी की आवश्यकता है, जो न उद्योग के हितों के प्रति झुकी हो और न किसी राजनीतिक प्रभाव के तहत काम करे।यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहद महत्वपूर्ण टिप्पणी है, क्योंकि दुनिया में अभी तक केवल कुछ ही देशों ने सोशल मीडिया के लिए स्वतंत्र रेगुलेटर बनाने की दिशा में कदम उठाया है।

साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट की बेंच, की टिप्पणियों को समझने की करें तो, भारत को सोशल मीडिया रेगुलेशन के लिए ऐसा मॉडल चाहिए जिसमें दंडात्मक प्रावधान भी शामिल हों। इस चर्चा के दौरान सीजेआई ने एससी/एसटी एक्ट का उदाहरण दिया। यह एक कठोर कानून है जिसके तहत किसी भी व्यक्ति के प्रति जाति-आधारित अपमान या हिंसा के मामले में स्पष्ट और सख्त दंड तय है। इसी मॉडल को डिजिटल स्पेस में लागू करने का संकेत अदालत ने देते हुए कहा कि यदि दिव्यांग व्यक्तियों, अनुसूचित जाति या अन्य संवेदनशील समुदायों के प्रति अपमानजनक टिप्पणी सोशल मीडिया पर अपलोड होती है, तो उस पर केवल रिपोर्ट और डिलीट करने की प्रक्रिया नहीं बल्कि तत्काल प्रभाव से दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। यह टिप्पणी पहली बार डिजिटल अपराधों को पारंपरिक संवेदनशीलता -आधारित अपराधों की श्रेणी में रखने का संकेत देती है, जो भारत के सामाजिक ढांचे के संदर्भ में अत्यंत क्रांतिकारी विचार है।सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उस संदर्भ में की जब वह उन यूट्यूब कंटेंट क्रिएटर्स की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिन्होंने इंडियाज गॉट लेटेंट शो में कथित रूप से दिव्यांग व्यक्तियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और जिनके विरुद्ध कई राज्यों में एफआई आर दर्ज कराई गई थी। यूट्यूबर्स ने इन एफआईआर को चुनौती देते हुए कहा कि कंटेंट हल्के हास्य के रूप में था और मामला विचाराधीन नहीं होना चाहिए। लेकिन अदालत का दृष्टिकोण इस पर स्पष्ट था कि डिजिटल माध्यम पर अपलोड की गई कोई भी टिप्पणी केवल मनोरंजन या व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के दायरे में सीमित नहीं रह जाती, बल्कि उसका समाज शास्त्रीय और मनोवैज्ञानिक प्रभाव व्यापक होता है। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म अब महज मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि जनमत निर्माण के सबसे शक्तिशाली स्रोत बन चुके हैं। इसलिए इन पर मौजूद कंटेंट के लिए जिम्मेदारी भी समान रूप से बढ़ती है।

साथियों बात अगर हम इस मामले को अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में देखें तो सोशल मीडिया रेगुलेशन की यह बहस पूरी दुनियाँ में चल रही है।यूरोप में डिजिटल सर्विसेज एक्ट, अमेरिका में सेक्शन 230 पर चल रही बहस, ऑस्ट्रेलिया में न्यूज मीडिया बार्गेनिंग कोड और कनाडा में ऑनलाइन हार्म्स एक्ट ये सभी इस बात का संकेत हैं कि सोशल मीडिया अब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से ज्यादा सुरक्षा, गोपनीयता, गलत सूचना और लोकतांत्रिक स्थिरता का प्रश्न बन चुका है। भारत में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इस क्रम में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और समाज की सुरक्षा के बीच नए संतुलन का निर्माण करना चाहती है। कोर्ट के अनुसार सोशल मीडिया की स्वतंत्रता तभी तक स्वीकार्य है जब तक वह किसी व्यक्ति, समुदाय, संस्था या राष्ट्र की गरिमा और सुरक्षा को आघात न पहुँचाए। यदि कोई कंटेंट इस सीमा का अतिक्रमण करता है, तो उसे प्रि-स्क्रीनिंग के माध्यम से रोका जाना चाहिए।प्रि-स्क्रीनिंग मैकेनिज्म कई प्रकार से काम कर सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्वचालित फ़िल्टरिंग, ह्यूमन मॉडरेशन, स्वतंत्र सरकारी या अर्ध-सरकारी एजेंसी की स्क्रीनिंग,और प्लेटफॉर्म- आधारित कंसोर्टियम मॉडल इन सभी की भूमिका हो सकती है। हालांकि इसके साथ कई चुनौतियाँ भी हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रभाव, यह कि कौन तय करेगा कि क्या आपत्तिजनक है, क्या यह सेंसरशिप की ओर नहीं बढ़ जाएगा, क्या यह तकनीकी रूप से संभव है कि भारत में रोज़ाना अपलोड होने वाले करोड़ों पोस्टों की पहले से स्क्रीनिंग की जाए ये प्रश्न स्वाभाविक हैं।लेकिन अदालत का दृष्टिकोण बिल्कुल स्पष्ट है कि किसी भी सार्वजनिक व्यवस्था वाले लोकतंत्र में स्वतंत्रता और सुरक्षा दोनों समानांतर रूप से सुनिश्चित की जानी चाहिए। केवल स्वतंत्रता पर जोर देना उतना ही गलत है जितना केवल नियंत्रण पर जोर देना।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सोशल मीडिया रेगुलेशन केवल दंडात्मक प्रक्रिया नहीं,बल्कि एक व्यापक सामाजिक-तकनीकी सुधार का हिस्सा है। इसमें शिक्षा, डिजिटल साक्षरता, टेक कंपनियों की जवाबदेही, पारदर्शिता रिपोर्ट, डाटा सुरक्षा और कंटेंट मॉडरेशन की स्पष्ट नीति जैसे तत्व भी महत्वपूर्ण हैं। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रि-स्क्रीनिंग का मॉडल ऐसा न बने जो लोकतांत्रिक आवाज़ों को दबाए,बल्कि ऐसा मॉडल बने जो हानिकारक कंटेंट को रोकते हुए अधिक सुरक्षित डिजिटल लोकतंत्र स्थापित करे।संक्षेप में कहा जाए तो सुप्रीम कोर्ट का सोशल मीडिया प्रि-स्क्रीनिंग मॉडल का सुझाव भारत में डिजिटल नैतिकता और कानून व्यवस्था के नए युग का संकेत देता है। यह प्रस्ताव न केवल तकनीकी दृष्टि से,बल्कि सामाजिक,राजनीतिक और कानूनी स्तर पर भी एक बड़े परिवर्तन की ओर इशारा करता है। वैश्विक मंच पर यह भारत को उन देशों की श्रेणी में रख सकता है जो डिजिटल दुष्प्रचार और ऑनलाइन अपराधों से निपटने के लिए साहसिक और ठोस कदम उठा रहे हैं। अब यह सरकार और संसद पर निर्भर करता है कि वह सुप्रीम कोर्ट के इस सुझाव को किस प्रकार लागू करती है, और क्या वह एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी रेगुलेटर तैयार कर पाती है जो सोशल मीडिया के भविष्य को सुरक्षित, संतुलित और जिम्मेदार बना सके। -लेखक - **किशन सनमुखदास भावनानी,** गोंदिया महाराष्ट्र

आंचलिक

वेयर हाउस संचालकों का 8 साल से किराया बकाया, पीएम-सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिले में वेयर हाउस ऑनर्स एसोसिएशन ने अपनी समस्याओं के समाधान और लंबित बकाया भुगतान की मांग की है। एसोसिएशन ने मंगलवार को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के नाम एक मांग पत्र अपर कलेक्टर रेखा राठौर को सौंपा। मांग पत्र में बताया गया है कि वेयर हाउस संचालकों को वर्ष 2017 से बकाया और अनुदान राशि का भुगतान नहीं किया गया है। भावांतर योजना के तहत फसल खरीदी के कारण उनका कामकाज बंद है और गोदाम खाली पड़े हैं। वेयर हाउस संचालक प्रतिनिधि विकास बडोले ने बताया कि गोदामों का संचालन वैज्ञानिक और सुरक्षित भंडारण मापदंडों के अनुसार करना होता है। इसमें चौकीदार, बिजली बिल, दवाइयां, फ्यूमिगेशन स्प्रे, सीसीटीवी कैमरे और फायर सेफ्टी पर लगातार खर्च आता है। समय पर किराया न मिलने से बैंक की किस्तें भी अनियमित हो रही हैं, जिससे आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिले में भारत सरकार की ग्रामीण भंडारण योजना के तहत ऋण लेकर कुल 129 गोदामों का निर्माण और

संचालन किया जा रहा है। इन पर लगभग 400 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। ये गोदाम मध्य प्रदेश वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन को किराए पर देकर सरकार द्वारा खरीदी गई गेहूं, मूंग, चना, चावल, सरसों, सोयाबीन और अरहर जैसी सभी प्रकार की फसलों के भंडारण में सहयोग करते हैं। एसोसिएशन ने मूंग और सोयाबीन में प्राकृतिक सूखत (वजन में कमी) के प्रावधान पर भी निर्णय लेने की मांग की है। उनका कहना है कि मूंग में 2% और सोयाबीन में 3 से 4% तक प्राकृतिक सूखत होती है, जिसके लिए कोई प्रावधान नहीं है, जिससे संचालकों को नुकसान हो रहा है।

मंडी की ज्योति इंडस्ट्रीज फर्म का लाइसेंस रद्द, व्यापारी ने किसान से तय भाव से कम में खरीदी थी उपज

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● किसान की उपज को तय दाम से कम कीमत में खरीदने पर व्यापारी के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मंडी प्रशासन ने मंगलवार को व्यापारी का लाइसेंस रद्द कर दिया। कार्रवाई मंडी व्यापारी मोहनलाल कीया की फर्म ज्योति इंडस्ट्रीज के खिलाफ की गई है। कृषि उपज मंडी खंडवा के सचिव ओपी खेड़े ने बताया कि फर्म ज्योति इंडस्ट्रीज द्वारा कपास की खरीदी के एक मामले में मंडी के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर इनका लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि कृषक भगवान पटेल निवासी टाकलीकला से कपास की खरीदी करते समय फर्म ने मंडी के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए कुल कृषि उपज में से 4.14 क्विंटल कपास को गुणवत्ता संबंधी कमी बताकर मनमाने तरीके से उसके

भाव कम किया था। फर्म के द्वारा मंडी प्रशासन को इसका भुगतान पत्रक भी जारी नहीं किया। इस संबंध में शिकायत प्राप्त होने पर मामले की जांच की गई, संबंधित फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब प्राप्त किया गया। लेकिन सही जवाब नहीं मिलने पर लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। मंडी सचिव खेड़े ने कहा कि, मंडी बोर्ड का ध्येय पहले नंबर पर किसान और फिर व्यापारी को प्राथमिकता देना है।

बाघों की गणना करेगा राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, बुरहानपुर में मांसाहारी वन्यप्राणियों की संख्या ज्यादा

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण और भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून द्वारा इस माह देशभर में बाघों की गणना की जाएगी। बुरहानपुर जिले में मांसाहारी वन्यप्राणियों की अधिक संख्या को देखते हुए यहां गणना तीन चरणों में होगी। गिनती 18 दिसंबर से शुरू होगी, इसके लिए वनकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

तीन चरणों में बाघों की होगी गिनती

जिले की आठ रेंजों - नेपानगर, असीरगढ़, धूलकोट, बुरहानपुर, खकनार, बोदरली, शाहपुर और नावरा - में वनकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। पहले चरण में वनकर्मी गणना करेंगे, जिसके बाद वन्यप्राणी विशेषज्ञ दूसरे चरण में गणना करेंगे। तीसरे चरण में कैमरा ट्रैपिंग के माध्यम से बाघों की संख्या का आकलन किया जाएगा।

हर चार साल में होती है गणना

वन विभाग द्वारा हर चार साल में एक बार बाघों की गणना कराई जाती है। इस वर्ष यह कार्य 18 दिसंबर से लगातार छह दिनों तक चलेगा। पहले तीन दिनों में प्रत्येक बीट में ट्रांजेक्ट लाइन पर शाकाहारी वन्यप्राणियों की गणना और उनके साक्ष्य एकत्र किए जाएंगे। अगले तीन दिनों में बाघ सहित अन्य मांसाहारी वन्यप्राणियों की गणना और उनके साक्ष्य जुटाए जाएंगे। यह पूरी प्रक्रिया एम-स्ट्रीप मोबाइल ऐप के माध्यम से संपन्न होगी।

एपीके फाइल डाउनलोड की, 12.75 लाख निकले, साइबर सेल ने पीड़ित को ?8.85 लाख वापस दिलाए

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● एक व्यक्ति के बैंक खाते से 12.75 लाख की साइबर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। साइबर सेल ने ?8,85,330 पीड़ित के खाते में वापस करा दिए हैं। यह धोखाधड़ी एक एपीके फाइल डाउनलोड करने के बाद हुई। धोखेबाजों ने एसबीआई योनो ऐप का एक्सेस लेकर आईएमपीएस लेनदेन के माध्यम से कुल ?12,75,000 निकाल लिए थे। पीड़ित दीपक कुमार काले, निवासी न्यू आदर्श कॉलोनी, लालबाग ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। साइबर हेल्प डेस्क के आरक्षक दीपांशु पटेल ने तुरंत नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज की। टीम ने विभिन्न बैंकों से संपर्क किया, जिसके परिणामस्वरूप धोखाधड़ी की गई राशि में से 8,85,330 को होल्ड कराया गया। यह राशि पीड़ित दीपक कुमार काले के बैंक खाते में वापस कर दी गई।

बलवाड़ा में नर्मदा पाइपलाइन फूटी, 80 फीट ऊंचा फव्वारा,लाखों लीटर पानी बहा, शरारती तत्वों पर तोड़फोड़ की आशंका

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● बलवाड़ा क्षेत्र में नर्मदा गंभीर परियोजना की पाइपलाइन सोमवार दोपहर लगभग बारह बजे फट गई। पाइपलाइन में लगे एयर वाल्व से अचानक भारी रिसाव शुरू हो गया, जिससे लाखों लीटर पानी जंगल में बह गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रिसाव से पानी की धारा लगभग 80 फीट ऊंची फव्वारे के रूप में आसमान की ओर उठती दिखी। इस दृश्य को देखने के लिए कई लोग मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी मिलते ही नर्मदा गंभीर परियोजना के अधिकारी तुरंत मरम्मत दल के साथ मौके पर पहुंचे। तकनीकी दल ने मोटर बंद कर पानी का बहाव रोका और रिसाव की मरम्मत का कार्य शुरू किया। परियोजना इंजीनियर आशीष शिवहरे ने बताया कि यह क्षेत्र बिना निगरानी वाला (अन-कमांड) था। उन्होंने आशंका जताई कि किसी शरारती तत्व द्वारा वाल्व से तोड़फोड़ की गई होगी, जिसके कारण यह रिसाव हुआ। ग्रामीणों का मानना है कि पाइपलाइन से बहने वाले पानी से आसपास के जंगल में नाले और गड्ढे भर गए। हालांकि, इस घटना से भारी मात्रा में पानी बर्बाद हुआ और आसपास की फसलें तथा वन्य क्षेत्र भी प्रभावित हुए। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पाइपलाइन की निगरानी और सुरक्षा के उपाय और मजबूत किए जाएंगे।

भट्याण आश्रम में सियाराम बाबा की प्रतिमा स्थापित: ओंकारेश्वर और महेश्वर के पंडितों ने कराया पूजन

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ●खरगोन में नर्मदा किनारे स्थित भट्याण बुजुर्ग आश्रम में ब्रह्मलीन संत सियाराम बाबा की पहली पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर सोमवार को मोक्षदा एकादशी पर संतश्री की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। ओंकारेश्वर और महेश्वर के 11 आचार्य और पंडितों ने प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा का विधान संपन्न कराया। इस महोत्सव में दूरदराज से आए नर्मदा परिक्रमा वासियों, संतों सहित 25 हजार से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। आश्रम क्षेत्र में दशहरा मैदान स्थित सरकारी स्कूल के पास पंडित कमल किशोर नागरजी की श्रीमद् भागवत कथा का भी सोमवार को समापन हुआ। पंडित नागरजी भी प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में उपस्थित रहे।

मकान निर्माण, पत्तल-दोना मशीन में धोखाधड़ी पर फैसला, उपभोक्ता फोरम ने दो ठेकेदार, एक व्यापारी पर दिए वसूली के आदेश

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने उपभोक्ताओं के हक में दो अहम फैसले सुनाए हैं। पहले मामले में मकान का काम अधूरा छोड़ने पर ठेकेदारों को 6.25 लाख रुपए 45 दिन में लौटाने का आदेश दिया गया है। वहीं, दूसरे मामले में एक बेरोजगार युवक को नई बताकर पुरानी पत्तल-दोना मशीन थमाने वाले विक्रेता को पूरी कीमत यानी 35 हजार रुपए वापस करने होंगे। सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारी पूनमचंद सांवरे और उनकी पत्नी ने कंचन नगर में अपने 800 वर्गफीट प्लॉट पर दो मंजिला मकान बनाने के लिए ठेकेदार कैलाश (पिता रूप सिंह) और कमल (पिता भगवान) से अनुबंध किया था। 1000 रुपए प्रति वर्गफीट मटेरियल के साथ कुल 18 लाख 90 हजार रुपए में यह काम 1 अप्रैल 2022 तक पूरा होना था।

17 लाख लेने के बाद भी अधूरा छोड़ा काम- सांवरे ने ठेकेदारों को कुल 17 लाख 20 हजार 857 रुपए का भुगतान कर दिया, लेकिन उन्होंने काम अधूरा छोड़ दिया। इसके बाद सांवरे ने अधिवक्ता देवेंद्र यादव के जरिए आयोग में अपील की। आयोग ने सिविल इंजीनियर शिवपाल मंडलोई से जांच कराई। रिपोर्ट में सामने आया कि भवन में 6 लाख 20 हजार 857 रुपए का काम अभी भी बाकी है।

45 दिन में पैसा नहीं दिया तो लगेगा 7% ब्याज- आयोग ने माना कि ठेकेदारों ने सेवा में कमी की है। उन्हें आदेश दिया गया है कि वे 45 दिनों के भीतर यह राशि फरियादी को लौटाएं। साथ ही 5 हजार रुपए वाद व्यय भी देना होगा। यदि 45 दिनों में राशि जमा नहीं की जाती, तो आदेश दिनांक से वसूली तक 7% वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

विश्व दिव्यांग दिवस विशेष रिपोर्ट

ब्रजेश द्विवेदी – अंतर्राष्ट्रीय पैरा क्रिकेटर से मेंटर बनने की प्रेरक यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिव्यांगता केवल शरीर की सीमा है, हौसलों की नहीं—और इसका सबसे जीवंत प्रमाण हैं अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेटर ब्रजेश द्विवेदी। बचपन से चलने में हाथों का सहारा लेना पड़ा, संघर्ष हर कदम पर मिला, पर साहस कभी नहीं टूटा। आज वही ब्रजेश भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और मध्य प्रदेश में दिव्यांग क्रिकेट को नई पहचान देने वाले सबसे प्रमुख चेहरे बन चुके हैं।

कभी टूटी लकड़ी, दफ्ती और रेशमी धागे से बनाया गया एक छोटा-सा बल्ला उनका साथी था; आज वही खिलाड़ी भारत-नेपाल-बांग्लादेश सहित कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में चमक बिखेर चुके हैं। बांग्लादेश में आयोजित चार देशों की सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन, भारत-नेपाल टेस्ट मैच में बतौर कप्तान मिली ऐतिहासिक जीत, और 2021 में शारजाह (श्र) में डीसीसीबीई दिव्यांग प्रीमियर लीग में मुंबई आइडियल्स को सेमीफाइनल तक पहुँचाना—ये उपलब्धियाँ बताती हैं कि जुनून किसी भी सीमा से बड़ा होता है। ब्रजेश इसका सारा श्रेय आईआईटी इंदौर को देते हैं जिसने उन्हें फिर से अपने जूनून को जीने का सहयोग किया

लेकिन ब्रजेश की यात्रा केवल खिलाड़ी तक सीमित नहीं रही। उन्होंने महसूस किया कि अनगिनत दिव्यांग खिलाड़ी सही व्यवस्था और अवसर न मिलने के कारण आगे नहीं बढ़ पा रहे। यही सोच उन्हें एक खिलाड़ी से आगे

बढ़ाकर मेंटर, आयोजक और संरचना निर्माता की भूमिका में ले आई।

2019 में मंदसौर में मात्र 21 खिलाड़ियों के साथ शुरू हुआ उनका छोटा-सा प्रयास धीरे-धीरे पूरे प्रदेश में संरचित व्यवस्था का आधार बनने लगा। जनसहयोग, दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों का निरंतर परिश्रम और ब्रजेश की अटूट प्रतिबद्धता ने इस यात्रा को मजबूती दी। खिलाड़ियों के लिए जर्सी, किट, ट्रेनिंग से लेकर रहने-खाने तक हर आवश्यकता को दुरुस्त कर हर खिलाड़ी के बड़े भाई की तरह मुस्तैदी दिखाई, और बदलाव भी आए। निम्न अयोजन एक पत्थर का मिल साबित हुआ जैसे

2021: सतना राष्ट्रीय टूर्नामेंट

2023: जबलपुर में देश का पहला राज्य-स्तरीय दिव्यांग क्रिकेट प्रीमियर लीग

2024: मैहर राष्ट्रीय दिव्यांग प्रीमियर लीग, जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की उपस्थिति ने इस प्रयास को नई ऊँचाइयाँ दीं।

आज मध्य प्रदेश के 5 खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और कई खिलाड़ी अपने कौशल के दम पर चयन की कतार में हैं।

इसी दौरान ब्रजेश और दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के सतत प्रयासों से दिवंगत खिलाड़ी प्रहलाद बंजारा की स्मृति में 'प्रहलाद दिव्यांग ट्रॉफी' जैसी अंतर-संभागीय प्रतियोगिता शुरू हुई, जिसने प्रदेश के अनेक खिलाड़ियों को पहचान दिलाई।

आज मध्य प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है जहाँ 11 संभागीय दिव्यांग क्रिकेट टीमें सक्रिय रूप से खेल रही हैं और 300 से अधिक खिलाड़ी खेल से जुड़कर आत्मविश्वास, सम्मान और नई पहचान पा रहे हैं।

जल्द ही इन खिलाड़ियों को स्किल ट्रेनिंग और रोजगार के अवसरों से जोड़ने की दिशा में भी कार्य जारी है ताकि समाज के हर वर्ग तक यह सशक्तिकरण पहुँचे।

विश्व दिव्यांग दिवस पर ब्रजेश द्विवेदी की यह यात्रा एक सशक्त संदेश देती है–

बदलाव की शुरुआत एक व्यक्ति भी कर सकता है।

दिव्यांगता रुकावट नहीं; साहस, अवसर और संकल्प मिल जाएँ तो वही सबसे बड़ी शक्ति बन जाती है।

भारतीय सिनेमा के बागी की वापसी! सिद्धांत चतुर्वेदी निभाएंगे भारतीय सिनेमा के दिग्गज, वी. शांताराम की भूमिका

मुंबई (एजेंसी) ●भारतीय सिनेमा एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने जा रहा है, क्योंकि भूले-बिसरे वैश्विक आइकन वी. शांताराम की कहानी एक नई पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए लौट रही है। सिद्धांत चतुर्वेदी अपने करियर की सबसे रूपांतरणकारी और चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाते हुए उस अग्रणी फिल्मकार वी. शांताराम को पर्दे पर जीवंत करेंगे, जिन्हें लंबे समय से भारतीय सिनेमा का मूल बागी कहा जाता रहा है। मेकर्स ने इस भव्य जीवनी-आधारित ड्रामा के घोषणा-पोस्टर में सिद्धांत को शांताराम के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसका शीर्षक भी 'वी. शांताराम' है।

अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा, 'वी. शांताराम जी को निभाना मेरे जीवन के सबसे बड़े सम्मान में से एक है। उनकी यात्रा के बारे में जितना पढ़ा, उतना ही विनम्र होता गया। वे सिर्फ भारतीय और वैश्विक सिनेमा के अग्रदूत ही नहीं थे, बल्कि एक ऐसे दूरदर्शी थे जो हर बाधा के बावजूद आगे बढ़ते रहे। उनकी दुनिया में कदम रखना एक अभिनेता के रूप में मेरे लिए सबसे रूपांतरणकारी अनुभव रहा। उनका जीवन मुझे गहराई से छू गया और मुझे धैर्य की शक्ति की याद दिलाई। यह एक सीख है जिसे मैं अपने काम में और अपने जीवन के हर पल में संजोकर रखना चाहता हूं।'

निर्देशक अभिजीत शिरीष देशपांडे ने कहा, 'वी. शांताराम मेरे लिए एक फिल्ममेकर के तौर पर हमेशा प्रेरणा के सबसे बड़े स्रोत रहे हैं। प्रयोग करने का उनका साहस और उनकी दृष्टि ने आज के सिनेमा को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी कहानी कहना मेरे लिए सम्मान की बात है और मुझे उम्मीद है कि हम इस महान व्यक्तित्व की विरासत के साथ न्याय कर पाएंगे। इस पहले पोस्टर के साथ हम उस यात्रा की एक झलक साझा कर रहे हैं, जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी उस भूमिका में कदम रख रहे हैं, जिसके लिए हम हमेशा उन्हें उपयुक्त मानते थे।'

निर्माता सुभाष काले ने कहा, 'वी. शांताराम जी की विरासत भारतीय सिनेमा के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक है। उनकी दृष्टि, उनके संघर्ष और उनके नवाचार हम सभी को प्रेरित करते हैं। इस फिल्म के माध्यम से हम उनके जीवन-यात्रा को सबसे ईमानदार तरीके से सम्मानित करना चाहते हैं। आज जब हम पहला पोस्टर जारी कर रहे हैं, हमें गर्व है कि सिद्धांत चतुर्वेदी इस भूमिका में कदम रख रहे हैं। उनकी ईमानदारी और समर्पण उन्हें शांताराम जी की विरासत को आगे ले जाने के लिए एक उपयुक्त चेहरा बनाते हैं।'

निर्माता सरिता अश्विन वर्दे ने कहा, 'वी. शांताराम सिर्फ भारतीय सिनेमा के महान निर्माताओं में से एक नहीं हैं, वे उसकी धड़कन हैं। फिर भी उनकी असाधारण दृष्टि और योगदान को हमेशा वह सराहना नहीं मिली जिसके वे हकदार थे। इस फिल्म के माध्यम से हम उनकी विरासत को प्रकाश में लाना चाहते हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी हमारी पहली और एकमात्र पसंद थे। उनका जुनून और उनकी सच्चाई उन्हें शांताराम जी को पर्दे पर उतारने के लिए एक स्वाभाविक विकल्प बनाते हैं।'

यह ऐतिहासिक बायोपिक भारत के सबसे दूरदर्शी कथाकारों में से एक की रंगीन जीवन-यात्रा और सिनेमाई प्रतिभा को प्रस्तुत करती है। अभिजीत शिरीष देशपांडे द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म शांताराम जी की अद्भुत यात्रा का अनुसरण करती है मूक फिल्मों के दौर से लेकर ध्वनि और फिर रंगीन युग तक जहाँ वे भारतीय सिनेमा इतिहास की सबसे प्रभावशाली सिनेमाई हस्तियों में से एक बनकर उभरे।

राजकमल एंटरटेनमेंट, कैमरा टेक फिल्म्स और रोअरिंग रिवर्स प्रोडक्शन्स द्वारा प्रस्तुत 'वी. शांताराम' का निर्माण राहुल किरण शांताराम, सुभाष काले और सरिता अश्विन वर्दे कर रहे हैं, और इसका निर्देशन अभिजीत शिरीष देशपांडे ने किया है।

गंभीर की जगह मैं होता तो हार की पूरी जिम्मेदारी लेता-शास्त्री

मुंबई (एजेंसी) ●भारतीय क्रिकेट टीम के के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने टेस्ट क्रिकेट में टीम के खराब प्रदर्शन पर निराशा जतायी है। शास्त्री के अनुसार टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेने से कोच कोच गौतम गंभीर बच नहीं सकते। कोच के अलावा टीम के खराब प्रदर्शन के लिए खिलाड़ी भी जिम्मेदार हैं क्योंकि जिस प्रकार से लगातार विकेट गिरे उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। जहां तक विकेट को स्पिनरों से अधिक सहायता मिलने की बात है। उसका भी बहाना नहीं चलेगा क्योंकि हम शुरुआत से ही ऐसे ट्रैक पर खेलते रहे हैं। 2012 से 2024 तक घरेलू धरती पर एक भी सीरीज नहीं हारने वाली भारतीय टीम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद 2 घरेलू सीरीज हारी है। उसे पिछले साल न्यूजीलैंड ने 3-0 से हराया। वहीं अब दक्षिण अफ्रीका ने 2-0 से पराजित किया है। शास्त्री ने कहा कि अगर वे उनके साथ होता तो वह सारी जिम्मेदारी स्वयं ले लेते। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में जिस प्रकार 100 रन पर एक विकेट से 130 रन पर 7 विकेट गिरे हैं। ये टीम खराब भी नहीं है। उनके पास बहुत प्रतिभा है। खिलाड़ियों को भी कुछ जिम्मेदारी लेनी चाहिए। आप क्रिकेट खेलने की जब शुरुआत करते हैं, तब से स्पिन खेले हैं।'

वेब शो 'द फैमिली मैन सीजन 3' ने बढाया फैंस की उत्सुकता को

मुंबई (एजेंसी) ●हाल ही में रिलीज हुए लोकप्रिय वेब शो 'द फैमिली मैन सीजन 3' ने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ाया है। दर्शकों के बीच इस सीजन का एक खास और नया आकर्षण रहा किरदार 'मीरा', जिसे बेहतरीन अदाकारा निमरत कौर ने निभाया है। निमरत कौर ने इस नए अनुभव को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा, 'मीरा का किरदार निभाना मेरे करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक रहा। इसमें मुझे एक मजबूत, साहसी और आत्मविश्वासी महिला को पर्दे पर उतारने का मौका मिला।

यह किरदार दर्शाता है कि कोई भी महिला परिस्थितियों से लड़कर अपनी पहचान बना सकती है, चाहे वह पुरुष-प्रधान कार्यक्षेत्र में हो या नेतृत्व के किसी बड़े पद पर।' निमरत ने बताया कि इस किरदार को निभाने की सबसे दिलचस्प बात यह रही कि इसे लिखने वाली टीम पूरी तरह पुरुष लेखकों की थी। उन्होंने कहा, 'जब महिला सशक्तीकरण का इतना गहरा और सशक्त किरदार पुरुष लेखक लिखते हैं, तो निश्चित रूप से उसे निभाना एक अनोखा अनुभव बन जाता है। कई बार मीरा को स्क्रीन पर देखते हुए मुझे खुद भी लगा कि उसकी आत्मविश्वास भरी शख्सियत शायद मेरी असल जिंदगी से कहीं आगे है।'

उज्जैन संभाग

सड़क हादसा में ड्राइवर की मौत, पैदल सड़क पार करते समय हुई दुर्घटना,ट्रक में फंस गया था युवक

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●मंगलवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान राजस्थान के अजमेर निवासी शेर सिंह रावत के रूप में हुई है, जो ड्राइवर था। हादसा दताना ब्रिज के पास हुआ। नरवर थाना प्रभारी बल्लू मंडलोई ने बताया कि सुबह करीब 7 बजे शेर सिंह दताना ब्रिज के पास सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे ओवरलोड ट्रक (स्क-0- ।छ-2233) ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शेर सिंह ट्रक में फंस गया और ट्रक

उसे रौंदते हुए ब्रिज के पिलर से जा टकराया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना स्थल पर लोगों की भारी भीड़ लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

ड्राइवर हिरासत में, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है। वहीं शव को पोस्ट मार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

चामुंडा माता ब्रिज उतार पर अंधे मोड़ पर बसें खड़ी, डीएसपी ने किया जुर्माना

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● फ्रीगंज-चामुंडा माता ब्रिज उतार पर अंधे मोड़ पर प्राइवेट बसें खड़ी की जा रही है, जिससे आए दिन लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। अंधे मोड़ पर बसें खड़ी की जाने को लेकर सोमवार शाम डीएसपी ट्रैफिक दिलीपसिंह परिहार ने बस चालकों पर कार्रवाई की। मौके पर ही जुर्माना किया गया। साथ ही बसें भी हटवाई गई। हिदायत भी दी गई कि आगे से अंधे मोड़ पर बसें खड़ी मिली तो उन्हें जब्त किया जाएगा।

नलखेड़ा मंदिर से दुकानें हटाई गईं:दुकानदारों का रोजगार संकट

दैनिक इंदौर संकेत

आगर मालवा ● नलखेड़ा स्थित मां बगलामुखी मंदिर परिसर से हाल ही में उच्च न्यायालय के आदेश के बाद वर्षों से संचालित फूल-माला और पूजन सामग्री की दुकानें हटा दी गई हैं। प्रशासन ने यह कार्रवाई बेशकीमती शासकीय भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए की, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 200 करोड़ रुपये है।

इस कार्रवाई का सीधा असर उन दुकानदारों पर पड़ा है, जिनकी आजीविका इन दुकानों पर निर्भर थी। मंगलवार को बड़ी संख्या में प्रभावित दुकानदार कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर प्रीति यादव को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि दुकानें हटने से उनका रोजगार पूरी तरह ठप हो गया है, जिससे कई

परिवारों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई है दुकानदारों ने प्रशासन से मांग की है कि जब तक उनके लिए कोई स्थायी वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक उन्हें मंदिर के आसपास किसी सुरक्षित स्थान पर अस्थायी दुकान लगाने की अनुमति दी जाए। उनका तर्क है कि ये दुकानें उनके परिवारों की आजीविका का एकमात्र साधन थीं, और उनके हटने से वे बेरोजगार हो गए हैं। प्रभावित व्यापारियों की यह मांग अब प्रशासन के विचाराधीन है। कलेक्टर ने ज्ञापन लेने के बाद संबंधित विभागों को मामले की जानकारी भेजी है। अब सभी की निगाहें प्रशासन के अगले फैसले पर टिकी हैं, जिससे इन दुकानदारों के रोजगार संकट के समाधान की दिशा तय होगी।

जनसुनवाई में 104 शिकायतें मिलीं, आवारा गोवंश की शिकायत लेकर पहुंचे ग्रामीणों ने बताई समस्याएं

दैनिक इंदौर संकेत

आगर मालवा ● कलेक्टर कार्यालय में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर से लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं और कुल 104 शिकायतें प्राप्त हुई। मुख्य शिकायतों में जमीन बंटवारा, सीमांकन, नामांतरण, सिंचाई के लिए बिजली, पानी, खाद की उपलब्धता और अन्य राजस्व संबंधी मामले शामिल थे। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर प्रीति यादव, अपर कलेक्टर आर.पी. वर्मा, जिला पंचायत सीईओ नंदा भलावे कुशरे, डिप्टी कलेक्टर किरण वरवड़े सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। पूर्व भाजपा मीडिया प्रभारी मनीष शर्मा ने जिले में सड़कों पर भटकते, बीमार गोवंशों और प्रशासनिक लापरवाही से संबंधित एक आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने इस आवेदन को तत्काल निराकरण के लिए सीएमओ कुशल सिंह डोडवे को सौंपा। एक अन्य आवेदक ने ग्राम आवर के सर्वे नंबर 1060 की शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत की। शिकायतकर्ता के अनुसार, यह भूमि शासकीय भवन निर्माण के लिए आरक्षित है, जिस पर कुछ लोगों ने पक्के मकान बनाकर कब्जा कर लिया है। कलेक्टर ने इस मामले में तहसीलदार आगर को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सिंहस्थ में स्नान घाट तक तीन किमी से ज्यादा नहीं चलना पड़ेगा- एसपी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ 2028 में भीड़ प्रबंधन और ट्रैफिक मैनेजमेंट ही सबसे बड़ी चुनौती है, जिसे लेकर ट्रैफिक थाने पहुंचे एसपी प्रदीप शर्मा ने पुलिसकर्मियों से बात की, उनसे सुझाव लिए और सामूहिक विवाह सम्मेलन में रविवार को किए बेहतर ट्रैफिक मैनेजमेंट का उदाहरण देते हुए जवानों का उत्साह भी बढ़ाया। डीएसपी विक्रमसिंह कनपुरिया व डीएसपी दिलीपसिंह परिहार से कहा कि नगर निगम से बात कर साइनेज पर काम करें, जिससे कि बाहर से आने वाले यात्रियों को किसी से मंदिर पहुंच मार्ग के लिए पूछना न पड़े। एसपी ने कहा कि बेहतर पार्किंग, फोर्स की प्रॉपर ब्रीफिंग ही ट्रैफिक मैनेजमेंट का मूलमंत्र है। इस पर काम कर लिया तो किसी को कोई दिक्कत नहीं आएगी। ट्रैफिक मैनेजमेंट का बेहतर उदाहरण हरिफाटक वाकणकर ब्रिज क्षेत्र में हुआ सामूहिक विवाह सम्मेलन का वृहद इंतजाम है। एसपी शर्मा ने कहा कि साल 2016 के सिंहस्थ महापर्व के इंतजामों को ध्यान में रखते हुए आगे सिंहस्थ 2028 के लिए ऐसी प्लानिंग की जा रही है कि किसी भी पार्किंग स्थल से लोगों को नजदीकी स्नान घाट तक पहुंचने में तीन कमी से ज्यादा नहीं चलना पड़ेगा। संयुक्त तालमेल काम का एसपी ने कहा कि बेहतर व्यवस्था में पुलिस-प्रशासन व नगर निगम का तालमेल व तत्काल क्रियान्वयन ही काम आएगा। यह सामूहिक विवाह सम्मेलन के इंतजाम में देखने को भी मिला है। एडीजी इंटेलिजेंस ए. साईं मनोहर भी सुरक्षा व ट्रैफिक इंतजाम देखने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने यही कहा कि इंदौर रोड के पूरे मार्ग पर सबसे ज्यादा बड़े साइनेज एरो के साथ लगाए थे, जिससे किसी को यह नहीं पूछना पड़ा कि कहां जाना है। 100 मीटर दूर साइनेज लगे थे, यहीं व्यवस्था सभी मार्ग पर होगी।

कर्नाटक राज्यपाल के परिवार में घरेलू कलह का खुलासा

पोते की पत्नी ने लगाया दहेज के लिए मारपीट का आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कर्नाटक राज्यपाल थावरचंद गहलोत के परिवार से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील और हाई-प्रोफाइल मामला मंगलवार को सामने आया। जब राज्यपाल के पोते की पत्नी ने गंभीर आरोपों से भरा विस्तृत आवेदन रतलाम पुलिस अधीक्षक को सौंपा। पीड़िता ने अपनी दादी सास अनिता गहलोत, पति देवेंद्र गहलोत, देवर विशाल और ननद अनिता पर आरोप लगाए। दहेज प्रताड़ना, मारपीट, लगातार मानसिक उत्पीड़न, जान से मारने की धमकी और घर की छत से धक्का देकर चोट पहुंचाने जैसे संगीन आरोप लगाए हैं।

पचास लाख रुपए लाने का बनाया दबाव : अधिकारिक सूत्रों के अनुसार, लगभग चार पन्नों के आवेदन में शिकायतकर्ता ने घरेलू हिंसा के घटना क्रम को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उसका विवाह पारिवारिक रीति-रिवाज और सामाजिक स्तर के अनुरूप धूमधाम से हुआ था। विवाह के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग को लेकर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। आवेदन में यह भी उल्लेख है कि परिवार के सदस्यों ने उस पर पचास लाख रुपए लाने का दबाव बनाया। रकम न मिलने पर लगातार झगड़े, मारपीट, अपमानजनक व्यवहार तथा चरित्र-हनन जैसी हरकतें कीं।

अपने लिखित बयान में महिला ने कहा है कि राज्यपाल के परिवार का प्रभाव होने के कारण उसकी बात को दबाने की कोशिशें की गईं। उसे धमकाया गया कि अगर उसने आवाज उठाई तो उसे व उसके मायके वालों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

पीड़िता का यह भी आरोप है कि गर्भावस्था के दौरान भी उसे प्रताड़ित किया गया। शिकायत में उसने लिखा है कि शारीरिक और मानसिक तनाव से उसकी सेहत बिगड़ी, लेकिन परिवार के सदस्यों ने न तो सहानुभूति दिखाई और न ही उसकी स्थिति का ख्याल रखा।

वहीं दिव्या के पति देवेंद्र गहलोत ने अपनी पत्नी के आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि यह पारिवारिक विवाद का मामला है,लिहाजा इस बारे में वह अधिक कुछ नहीं कहेंगे, लेकिन उन्होंने शिकायत को पत्नी की छोटी सोच का परिणाम बताया। वहीं, रतलाम पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने कहा कि मामला उज्जैन जिले से जुड़ा है। इसके चलते उन्होंने महिला के शिकायती आवेदन को उज्जैन के संबंधित अधिकारी को भेज दिया है।

अब पूरा मामला उज्जैन जिले की पुलिस के पास है, जहां पीड़िता की शिकायत के आधार पर आगे की विधिक प्रक्रिया तय की जाएगी। फिलहाल पीड़िता ने न्याय और सुरक्षा की मांग की है तथा अपने आवेदन के साथ चिकित्सीय दस्तावेज व अन्य साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं।

छत से धक्का दिया, दूसरे दिन कराया इलाज : महिला ने शिकायती आवेदन में कहा कि इसी साल जनवरी में विवाद के दौरान उसे घर की छत से धक्का दे दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हुई। आवेदन में इलाज संबंधी विवरण, अस्पताल में भर्ती होने और मेडिकल रिपोर्ट तक का उल्लेख किया गया है। पीड़िता का कहना है कि इन परिस्थितियों के बावजूद परिवार ने न तो उसकी बात सुनी और न ही उसके साथ हुए दुर्व्यवहार को रोकने के लिए कोई कदम उठाया।

पति पर अय्याशी करने और मारपीट के आरोप : शिकायत में पीड़िता ने पति के व्यवहार को भी गंभीर रूप से प्रश्नों के घेरे में रखा है। दिव्या ने शिकायती आवेदन में पति देवेंद्र पर अय्याशी व शराब के नशे में मारपीट करने के आरोप भी लगाए। महिला ने यह भी कहा कि विवाह के बाद वह कई बार ससुराल छोड़कर मायके जाने को मजबूर हुई, लेकिन हर बार उसे समझाइश देकर वापस बुला लिया जाता था।

न्यूज ब्रीफ

आयुक्त ने की निगम में प्रशासनिक सर्जरी निगम अधिकारियों के कार्य में किए परिवर्तन, नए कार्य सौंपे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आयुक्त दिलीप कुमार यादव द्वारा निगम अधिकारियों के दायित्व में परिवर्तन करते हुए नवीन आवंटित कार्य सौंपे गए। उपायुक्त प्रदीप कुमार जैन को उपयुक्त लीज विभाग वर्तमान कार्य के साथ सौंपा गया है। कार्यपालन यंत्री संजीव श्रीवास्तव को कार्यपालन यंत्री प्रधानमंत्री आवास योजना वर्तमान कार्य के साथ की जिम्मेदारी दी गई। सहा. यंत्री पीएस कुशवाह को प्रभारी कापा. यंत्री यातायात विभाग व योजना शाखा, सहा. यंत्री शांतिलाल यादव को प्रभारी अधिकारी उद्यान एवं प्रभारी कार्यपालन यंत्री उद्यान सिविल, प्रभारी सहा. यंत्री नरेश जायसवाल को प्रभारी अधिकारी एवं प्रभारी सहा. यंत्री योजना, प्रभारी सहा. यंत्री सुमित अस्थाना को प्रभारी कापा. यंत्री स्वच्छ भारत मिशन के साथ, आप यंत्री अभिषेक सिंह को जोनल एवं भवन अधिकारी जॉन 9, उपयंत्री प्रभात तिवारी को भवन अधिकारी जॉन 1, 2, 3, 4, उपयंत्री अंकेश बिरथरिया को प्रभारी अधिकारी रिमूवल विभाग, उपयंत्री अंकुश चौरसिया को जोनल अधिकारी जॉन 12, उप यंत्री विशाल राठौर को उप यंत्री योजना शाखा, प्रभारी उप यंत्री गौरव वर्मा को प्रभारी उप यंत्री स्टोन क्र. 13 वार्ड 77 एवं 78 का तत्काल प्रभाव से कार्यभार सौंपा गया।

फोर्टीफाइड चावल का अवैध व्यापार करने वाले पर एफआईआर दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खाद्य विभाग द्वारा विगत दिनों जम्बुडी हप्सी अरिहंत नगर स्थित गोदाम पर गेंहू, चावल के अवैध भंडारण पर कार्यवाही की गयी थी। गोदाम को राजेश वर्मा एवं सोनू राजपूत द्वारा संचालित किया जा रहा था। जांच के समय एक सवारी ऑटो भी चावल लेकर आया, जिसे ऑटो चालक मुर्तुज़ा खान से कार्यवाही में लेकर जब्त किया गया। जांच में गोदाम पर भंडारित कुल 101 बारदाने चावल सार्वजनिक वितरण प्रणाली का फोर्टिफाइड चावल प्रतीत होने पर चावल जब्त किया गया। गोदाम में भंडारित कुल 127 बारदाने गेंहू संबंधी बिल, आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर गोदाम में भंडारित गेंहू को जब्त किया गया।

वीआईटी पर ऐसी कार्रवाई होगी जैसी अब तक मप्र में किसी विवि पर नहीं हुई

विस में उच्च शिक्षा मंत्री ने दिया आश्वासन, सरकार ले सकती है नियंत्रण में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● राज्य विधानसभा में मंगलवार को उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि सीहोर के वीआईटी विवि के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जाएगी जो अब तक मप्र में किसी विश्वविद्यालय के खिलाफ नहीं हुई है। सरकार ने संकेत भी दिए कि कारण बताओ नोटिस का सात दिन में संतोषजनक जवाब नहीं आया तो वीआईटी को सरकारी नियंत्रण में लिया जा सकता है। वीआईटी विवि में हाल ही में दूषित पानी और खराब भोजन मिलने से हजारों विद्यार्थियों के बीमार पड़ने का मामला सामने आया है। वहीं, वीआईटी प्रबंधन पर आरोप है कि यहां हनुमान चालीसा पढ़ना मना है। तीन हजार विद्यार्थियों के खिलाफ एफआईआर कराई गई है। इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस विधायक दिनेश जैन, हेमंत कटारे और महेश परमार ने ध्यानाकर्षण लगाया। सदन में चर्चा की शुरुआत दिनेश जैन ने की।

मंत्री ने कहा-यह सही है कि बच्चों में आक्रोश था-उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि यह सही है कि बच्चों में लंबे समय से आक्रोश था। परमार ने कहा कि अभी हमने धारा 41 (1) (टेकओवर की चेतावनी) में नोटिस दिया है। अगली कार्रवाई धारा 41 (2) में संस्थान को नियंत्रण में लेने का प्रावधान है। ऐसी कार्रवाई करेंगे कि मप्र में किसी विवि के खिलाफ नहीं की गई होगी।

वीआईटी का निर्माण अवैध, कार्रवाई करें : हेमंत कटारे ने कहा कि वीआईटी में बच्चे तीन साल से बैक्टीरियायुक्त पानी पी रहे थे। आलम यह है कि संस्थान में कोई अधिकारी अंदर नहीं जा सकता। सीएमएचओ भी जांच करने नहीं जा सके। संस्थान में फर्जी क्लीनिक चल रहा था। संस्थान के डायरेक्टर, सोसायटी के सदस्यों पर एफआईआर कराई जाए। उन्होंने कहा कि बिल्डिंग का निर्माण अवैध है, इस पर सख्त कार्रवाई हो।

स्टूडेंट्स ने की थी आगजनी-तोड़फोड़ : वीआईटी यूनिवर्सिटी में 25 नवंबर की रात हालात अचानक बेकाबू हो गए थे। करीब 4 हजार छात्र कॉलेज परिसर में जमा हो गए और देखते ही देखते बसें और गाड़ियां आग की लपटों में घिर गईं। कई वाहनों के शीशे चकनाचूर हो गए, एम्बुलेंस में तोड़फोड़ हुई और परिसर में अफरा-तफरी मच गई थी।

तीन सदस्यीय जांच कमेटी की रिपोर्ट में यह आया

- खाना खराब, पानी बदबूदार : मेस, लेकिन गुणवत्ता शून्य। पानी पीते ही छात्रों को उल्टी की शिकायत हुई।
- पीलिया फैला, पर रिकॉर्ड तक नहीं : 14-24 नवंबर के बीच 35 छात्र बीमार हुए, लेकिन कॉलेज के पास इसका कोई डेटा ही नहीं है।
- जांच करने पहुंचे ष्टरूाह्र को दो घंटे गेट पर रोका
- शिकायत पर छात्रों के आईडी कार्ड जब्त किए और धमकी दी
- विवि से छात्रों के साथ मारपीट के वीडियो सामने आए
- रात 2 बजे पुलिस बुलाई, तब तक हालात बेकाबू हो चुके थे

चमेली देवी कॉलेज में छात्र के खिलाफ जनसुनवाई में शिकायत

प्रिंसिपल और प्रोफेसरों ने कलेक्टर को बताई अभद्र हरकतें कॉलेज का कर रहा नुकसान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● चमेली देवी कॉलेज में एक छात्र द्वारा लगातार किए जा रहे विवाद और अभद्र व्यवहार से कॉलेज प्रबंधन व छात्र बेहद परेशान हैं। मंगलवार को कॉलेज के प्रिंसिपल और प्रोफेसर जनसुनवाई में पहुंचे और कलेक्टर शिवम वर्मा को शिकायत सौंपी। कॉलेज स्टाफ ने बताया कि छात्र न केवल विवाद करता है, बल्कि कॉलेज के सामान को भी नुकसान पहुंचा रहा है। प्रबंधन ने कहा कि उसकी हरकतों से अन्य छात्रों की पढ़ाई पर भी प्रभाव पड़ रहा है। शिकायत पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने संबंधित क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों को जांच के आदेश दिए। साथ ही कॉलेज प्रबंधन को भी छात्र के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ग्राम सनावदिया स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना के नीलगिरी परिसर के रहवासी भी पहुंचे। वे सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं को लेकर लगातार शिकायतों के बावजूद समाधान न होने से नाराज थे। कलेक्टर उनके पास पहुंचे और समस्याएं सुनकर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया। रहवासियों ने बताया कि परिसर में अव्यवस्था, साफ-सफाई और सुरक्षा की स्थिति बेहद खराब है। जनसुनवाई में एक छात्रा ने पढ़ाई और एआईकोर्स की फीस के लिए आर्थिक मदद मांगी। उसने बताया कि कोर्स की फीस 60 हजार रुपए है, जिसे वह आर्थिक तंगी के कारण वहन नहीं कर पा रही। कलेक्टर ने रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से छात्रा को तत्काल 50 हजार रुपए की सहायता दिलाई और कहा कि भविष्य में भी पढ़ाई से जुड़ी आवश्यक मदद उपलब्ध कराई जाएगी।

एक टेबल पर कांग्रेस की तीनों ध्रुव इकट्ठे

भोपाल ● दैनिक इंदौर संकेत। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के घर पर कांग्रेस विधायकों की डिनर पार्टी शुरू हुई, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी हुए शामिल।

पत्नी से नहीं मिलने दिया तो कैदी फरार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के एमवाय अस्पताल से शुक्रवार को एक कैदी फरार हो गया और मंगलवार को अजाक कोर्ट में वापस आकर सरेंडर कर दिया। जिसके बाद कोर्ट में दिए आवेदन में आरोपी ने बताया कि वह पुलिसकर्मियों के व्यवहार से परेशान होकर उन्हें सबक सिखाने के लिए भाग गया था। बताया जा रहा है की शुक्रवार को कैदी विशाल प्रजापति इलाज के दौरान एमवाय से भाग गया था। वह चौथी मंजिल से मचान के सहारे नीचे उतरा और फरार हो गया।

पीथमपुर वॉल्वो-आयशर की वीई कमर्शियल को 168 करोड़ की जीएसटी चोरी का नोटिस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी आटो कंपनी वॉल्वो और आयशर के जाइंट एडवेंचर्स वीई कमर्शियल व्हीकल्स पीथमपुर है। यह कंपनी अब त्रस्ज्ञ चोरी में बुरी तरह उलझ गई है। टैक्स चोरी भी कोई छोटी-मोटी नहीं है। करोड़ों में हैं। इससे राहत पाने के लिए कंपनी अलग-अलग जगह गई। हाईकोर्ट में भी पहुंची लेकिन उसे राहत नहीं मिली है।

सेंट्रल जीएसटी उज्जैन ने कंपनी को 168 करोड़ 19 लाख 65 हजार 129 का नोटिस दिया। एडिशनल कमिशनर द्वारा जारी यह टैक्स नोटिस उज्जैन कमिशनरेट के अंतर्गत आता है। कंपनी ने इस बड़े नोटिस को चुनौती देने के लिए हाईकोर्ट इंदौर में याचिका लगाई थी। मगर, हाल ही में आए कोर्ट के आदेश से कंपनी को बड़ा झटका लगा है। इंदौर हाईकोर्ट ने कंपनी की याचिका को खारिज करने का फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि कंपनी पहले उपलब्ध अन्य अपीलीय प्रावधानों का उपयोग करे। यह आदेश साफ करता है कि कंपनी को अब विभाग के पास ही अपील करनी होगी।

दरअसल यह जीएसटी चोरी पकड़ने की शुरुआत ग्वालियर आडिट विभाग के एक नोट से हुई। इसमें ऑडिट विभाग ने एक आपत्ति ली, जो जीएसटी विभाग के पास पहुंची। इसके बाद इसमें कंपनी के रिकार्ड खंगाले गए तो इसमें पहले साल 2017-18 के लिए गड़बड़ी निकली। कंपनी ने टैक्स को लेकर क्रेडिट, डेबिट नोट जारी किए थे। लेकिन, इन्हें समय रहते हुए टैक्स रिटर्न में नहीं दिखाया गया। पहले इसमें करोड़ों की टैक्स चोरी की गफलत आई। इसके बाद विभाग ने जनवरी 2025 में कंपनी से अगले साल के क्रेडिट, डेबिट नोट की जानकारी मांगी। यह रिकॉर्ड लेने के बाद जब इसकी कंपनी के रिटर्न से जांच की गई तो यह मामला और गंभीर निकला। इस जांच के बाद कंपनी के खिलाफ जून 2025 में विभाग ने 168.19 करोड़ रुपए का जीएसटी नोटिस थमा दिया। कंपनी ने इस नोटिस और हाईकोर्ट में अपना जवाब पेश किया है। उनके अनुसार, यह पूरा मामला जीएसटी कानूनों की पेचीदगियों के कारण हुआ। कंपनी के अनुसार, उत्पाद पर टैक्स बढ़ने से डेबिट-क्रेडिट नोट जारी हुए थे। यह जानकारी जीएसटी रिटर्न में बाद में भरी गई थी, ऐसा कंपनी का दावा है। इनकम टैक्स जैसा जीएसटी में पुराने रिटर्न सुधारने का नियम नहीं है। कंपनी ने कहा कि रिकॉर्ड मांगने पर कुछ भी छिपाया नहीं गया था। उनका स्पष्ट कहना है कि इस मामले में कोई धोखाधड़ी नहीं की गई है।

हालांकि, जीएसटी विभाग ने कंपनी के इन सभी जवाबों को खारिज कर दिया। विभाग अभी भी इसे टैक्स चोरी का गंभीर मामला ही मान रहा है। अब यह कानूनी लड़ाई अपीलीय प्राधिकरण के पास जाने की संभावना है। आपको इस कंपनी के पीथमपुर प्लांट से ही हर साल भरे जाने वाले जीएसटी को सुनकर हैरानी होगी। कंपनी का साल 2024-25 का जीएसटी टैक्स 6 हजार करोड़ है।

टीपीएस योजनाओं के लिए 80 करोड़ की राशि के टेंडर जारी होंगे

- अब इन्दौर विकास प्राधिकरण ने एकमुश्त लीज जमा करवाने का प्रावधन खत्म किया
- अब नहीं मिलेगा आजीवन लीज माफी का प्रमाण-पत्र
- आईडीए की बोर्ड बैठक में हुए अहम फैसले

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इन्दौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) संचालक मण्डल की बैठक 2 दिसंबर को डॉ. सुदाम खाड़े, संभागायुक्त सह अध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कई अहम फैसले लिए गए इसमें से एक अहम फैसला एकमुश्ति लीज समाज कराने का प्रवाधान को समाप्त कर दिया गया है। अब ऐसा कर आजीवन लीज माफी का प्रमाण-पत्रआईडीए नहीं देगा।

बैठक में शिवम वर्मा, कलेक्टर, दिलीप कुमार यादव, आयुक्त, नगर पालिक निगम, मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, इन्दौर, शुभाशीष बेनर्जी, संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश विभाग, सुनील कुमार उदिया, अधीक्षण यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कामेश श्रीवास्तव, मुख्य अभियंता, मप्रपक्षेविवि कं., धीरेन्द्र प्रतापसिंह, सहायक वनसंरक्षक (प्रतिनिधि) एवं डॉ. परिक्षित झाड़े, मुख्य कार्यपालिक अधिकारी, इ.वि.प्रा. (सदस्य सचिव) उपस्थित थे। संचालक मण्डल द्वारा टी.पी.एस.-04 का विकास कार्य की निविदा हेतु राशि रू. 33.22 करोड़, टी.पी.एस.-10 ग्राम पालाखेड़ी, बांगडदा, इंदौर (भाग-बी) का विकास कार्य की निविदा हेतु राशि रु. 31.31 करोड़, टीपीएस 01 (चरण-फोर) का विकास कार्य की निविदा हेतु राशि रु. 6.39 करोड़, योजना क्रमांक 151 एवं 169-बी सेक्टर-ए, सुपर कॉरिडोर, इंदौर में 34 लाख लीटर क्षमता की 15.00 मीटर स्टेजिंग की ओवरहेड पानी की टंकी का डिजाइन एवं निर्माण हेतु निविदा राशि रु. 4.57 करोड़, योजना क्रमांक 97 भाग 2, इंदौर के विभिन्न भागों के 5 वर्षीय रखरखाव कार्य सहित बाह्य विद्युतीकरण के कार्य की निविदा हेतु राशि रू. 3.88 करोड़ स्वीकृत की गई। इस प्रकार संचालक मण्डल द्वारा कुल राशि लगभग रूपये 80.00 करोड़ की निविदाएं स्वीकृत की गई। एक अन्य निर्णय में संचालक मण्डल द्वारा लवकुश चौराहे पर लेवल-2 फ्लाय ओव्हर की ग्रेड रोड, स्लिप रोड सर्विस रोड पर डामर रोड के स्थान पर कांक्रीट रोड (पीक्यूसी.) निर्माण की तत्काल आवश्यकता को देखते हुए अल्पकालीन निविदा आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया।

प्रकोष्ठों को अंतरण/लीज नवीनीकरण की कार्यवाही हुई

एक अन्य निर्णय में प्रकोष्ठ अधिनियम के तहत आवंटित प्रकोष्ठों को भूस्वामी अधिकार में संपरिवर्तन हेतु प्रकोष्ठ अधिनियम 2005 के अंतर्गत समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जाकर प्रकोष्ठों को अंतरण/लीज नवीनीकरण की कार्यवाही हो चुकी है, ऐसे प्रकरणों में भूस्वामी अधिकार पर संपरिवर्तन में किये जाने का निर्णय लिया गया। संचालक मण्डल द्वारा विभिन्न बैंकों में प्रचलित प्राधिकारी के चालू खातों को बचत खातों में परिवर्तित किये जाने का निर्णय लिया गया। एक अन्य प्रकरण में स्व. सुनील कुलकर्णी, पंच ऑपरेटर को फ्लेट क्रय करने हेतु दिये गये अग्रिम प्रदान किया गया था। उनकी मृत्यु हो जाने से मानवीय आधार पर शेष राशि रु. 1 लाख 53, 111 माफ किये जाने का निर्णय लिया गया। योजना 166 के विकास कार्य हेतु प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कन्सलटेन्सी के चयन हेतु निविदा स्वीकृत की गई। टीपीएस-01 के विकास कार्य हेतु प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कन्सलटेन्सी के चयन हेतु निविदा स्वीकृत की गई। प्राधिकारी की योजनाओं में भूजल पुर्नभरण हेतु प्रावधान किये जाने एवं इस बाबद विशेष प्रयास किये जाने का निर्णय लिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।